राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार, 24 सितंबर 2022 वर्ष–5,अंक–238 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएफआई के प्रदर्शन में जमकर हिंसा

केरल में कई जगहों पर बमबारी

नई दिल्ली ।

इस्लामी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पीएफआई द्वारा शुक्रवार को केरल में आहूत दिनभर की हड़ताल के बीच राज्य में कई जगहों पर हिंसा भड़क गई। पूरे राज्य में सार्वजनिक परिवहन की बसों पर पथराव होने, दुकानों, वाहनों को क्षति पहुंचाने और हिंसा की घटनाओं की भी सूचना मिली है। यहां तक कि मामला बढ़ता देख केरल उच्च न्यायालय को स्वतः संज्ञान लेना पड़ा है। कोर्ट ने पुलिस को सार्वजनिक संपत्तियों को नष्ट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में लगभग 70 सरकारी बसों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया, कई जगहों पर बम फेंके गए और कन्नूर (उत्तरी केरल) में आरएसएस के कार्यालय पर बदमाशों ने हमला किया। कन्नूर में एक पीएफआई कार्यकर्ता को जिंदा बम के साथ पकड़ा गया है। हिंसा के सिलसिले में 200 से अधिक पीएफआई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। कुछ जगहों पर एंबुलेंस पर भी पथराव किया गया। हिंसा में 12 बस यात्री और छह चालक घायल हुए हैं। केरल उच्च न्यायालय ने पीएफआई की हड़ताल और राज्य में आज हुई हिंसा की घटनाओं पर संज्ञान लिया है। अदालत ने कहा कि हड़ताल पर उसने पहले ही रोक लगा रखी है और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना स्वीकार नहीं किया जाएगा। अदालत ने राज्य प्रशासन को उसके हड़ताल पर प्रतिबंध संबंधी आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। केरल हाईकोर्ट ने पुलिस से पीएफआई के राज्य सचिव ए अबूबकर के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए कहा है। अबूबकर ने गुरुवार को देश भर में छापेमारी और पीएफआई पदाधिकारियों की गिरफ्तारी के विरोध में हड़ताल का आह्वान किया था। ठीक से काम नहीं करने के लिए पुलिस की भी आलोचना हो रही है। विपक्षी भाजपा ने कहा कि केरल पुलिस ने कट्टरपंथी संगठन के सामने नम्रतापूर्वक आत्मसमर्पण कर दिया। कन्नूर में सुबह अखबार ले जा रही एक निजी वैन पर बम फेंके गए। इसी जिले में पुलिस ने दो पेट्रोल बम ले जा रहे पीएफआई के एक कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा कि कोझीकोड में जब उनके वाहन पर पथराव किया गया तो एक 15 वर्षीय लड़की और ऑटो चालक घायल हो गए। कोल्लम में बाइक सवार हमलावरों ने पुलिस के वाहन से टक्कर मार दी, जिससे दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि कई जगहों पर हमलावरों ने अपने चेहरे ढके हुए थे।

संक्षिप्त समाचार

केरल के बाद अब गुजरात में हुंकार भरेगी कांग्रेस, इस तारीख से शुरू करेगी 'भारत जोड़ो यात्रा'

(एजेंसी)। गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में 28 सितंबर को कांग्रेस पार्टी दिन भर चलने वाली एक यात्रा निकालेगी। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। नवरात्र पर्व के दौरान निकाली जाने वाली इस यात्रा को 'चलो कांग्रेस के साथ मां के द्वार' नाम दिया गया है। विधायक ललित कागथरा ने बताया कि यात्रा की शुरुआत राजकोट शहर से होगी। कागथरा ने संवाददाताओं से कहा, '28 सितंबर को हम 'चलो कांग्रेस के साथ मां के द्वार' रैली निकालेंगे जिसका प्रभाव सौराष्ट्र की 25 विधानसभा सीटों पर होगा।' पाटीदार समुदाय के नेता नरेश पटेल मां खोडियार मंदिर पर यात्रा का स्वागत करेंगे। पटेल को क्षेत्र के लेउवा पाटीदार समुदाय का अच्छा समर्थन प्राप्त है। कागथरा ने कहा कि खोदलधाम मंदिर के न्यासी पटेल राजकोट जिले में कागवड में पांच सौ वाहनों के साथ रैली का स्वागत करेंगे। कागथरा ने कहा कि रैली राजकोट से शुरू होगी और जूनागढ़ जिले के सिदसर में इसका समापन होगा।

वैज्ञानिकों का बड़ी भविष्यवाणी, महामारी का अंत नजदीक, बीत गया सबसे बुरा दौर

(एजेंसी) क्या कोविड महामारी से प्रभावित हमारे जीवन का सबसे बुरा दौर बीत चुका है? कुछ वैज्ञानिकों का यही मानना है। दुनियाभर में दो साल से ज्यादा समय तक कोविड-19 द्वारा जिंदगी के हर पहलू पर अपना असर छोड़ने के बाद शायद पहली बार ऐसा कहा जा रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि महामारी भले ही समाप्त हो गई है लेकिन कोविड हमारे बीच मौजूद रहेगा। भारत और दुनियाभर में संक्रमण के मामले धीरे-धीरे घट रहे हैं। बीमारी के इस वर्तमान स्वरूप में संक्रमण के मामले न तो तेजी से बढ़ रहे हैं और न ही एकदम से घट रहे हैं। अशोक विश्वविद्यालय में भौतिकी और जीव विज्ञान विभाग में प्रोफेसर गौतम मेनन ने कहा, 'इन मामलों का बेहद छोटा हिस्सा भी मौत को दावत दे सकता है। यह एक नयी परिस्थिति होगी जिसके लिए हमें तैयार रहना चाहिए।' महामारी की शुरुआत से ही संक्रमण के मामलों का अध्ययन कर रहे मेनन ने कहा, 'दुनिया हमेशा स्थायी रूप से बेहद सतर्क रहने की स्थिति में नहीं चल सकती।' कोविड-19 को अंतरराष्ट्रीय आपातकाल घोषित किये जाने के दो साल से ज्यादा समय बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन अब यह कहने की स्थिति में है कि कोविड-19 महामारी का अंत नजदीक है।

राहुल गांधी जहां कहेंगे वहां यात्रा पर निकल जाऊंगा:अशोक गहलोत

नई दिल्ली । राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने स्पष्ट करते हुए कहा कि उनका बस चले तो वे किसी भी पद पर न रहें। गहलोत की ये टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब उन्होंने कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के नतीजे चाहे जो भी हों, एकजुट होकर काम करना और यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि पार्टी एक मजबूत विपक्षी दल के रूप में उभरे। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि वे बिना किसी पद पर रहते हुए राहुल गांधी के साथ पदयात्रा में शामिल होने को तैयार हैं। दिग्गज कांग्रेस नेता ने कहा, 'मैं तीन बार कांग्रेस का महामंत्री रहा हूं। तीन बार प्रदेश अध्यक्ष रहा हूं। मेरा बस चले तो मैं किसी पद पर रहूंगा ही नहीं। राहुल गांधी जहां कहेंगे, वहां यात्रा पर निकल जाऊंगा।' गहलोत ने कहा, 'मैं (केरल से राजस्थान) लौटने के बाद तिथि तय करूंगा (नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए), लेकिन मैंने फैसला किया है कि मुझे चुनाव लड़ना होगा। यह लोकतंत्र का सवाल है और आइए, हम एक नई शुरुआत करें। उन्होंने कहा, 'मैंने तो (राहुल गांधी से) कहा है कि मेरी इच्छा है और मेरा बस चले तो मैं किसी पद पर ना रहूं।

पीएम मोदी को विपक्षी दलों के नेताओं से मिलते रहना चाहिए : पूर्व उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली ।

पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सभी राजनीतिक दलों के नेतृत्व से और अधिक मुलाकातें करनी चाहिए, क्योंकि इससे विपक्षी दलों के मन में उनके तौर-तरीकों को लेकर मौजूद कुछ 'गलतफहमियों को दूर करने में मदद मिलेगी है। पीएम मोदी के चुनिंदा भाषणों पर आधारित एक किताब के विमोचन के मौके पर नायडू ने स्वास्थ्य देखभाल, विदेश नीति और प्रौद्योगिकी सहित अन्य क्षेत्रों में अर्जित उपलब्धियों के लिए पीएम मोदी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि दुनिया अब भारत के उदय को मान्यता दे रही है। किताब के विमोचन के बाद नायडू ने कहा, भारत अब एक ऐसी ताकत बन गया है, जिसकी आवाज दुनियाभर में सुनाई दे रही है। इतने कम समय में, यह कोई साधारण बात नहीं है। यह उनके (मोदी के) कार्यों के कारण है, यह उनके द्वारा लोगों को दिए जा रहे मार्गदर्शन के कारण है, भारत जो प्रगति कर रहा है, यह उनके कारण है। कार्यक्रम में केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर और सूचना एवं प्रसारण सचिव अपूर्व चंद्रा भी मौजूद थे। पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री की उपलब्धियों के बावजूद कुछ वर्गों को 'कुछ गलतफहमियों के कारण या फिर शायद कुछ राजनीतिक मजबूरियों के कारण' अब भी उनके तौर-तरीकों को लेकर कुछ आपत्तियां हैं। उन्होंने कहा, समय के साथ ये गलतफहमियां भी दूर होगी। प्रधानमंत्री को भी इस तरफ और उस तरफ के अधिक से अधिक दलों के नेतृत्व से अक्सर मिलते रहना चाहिए। नायडू ने राजनीतिक दलों को खुला दिमाग रखने और लोगों के जनादेश का सम्मान करने की सलाह भी दी। पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा, उन्हें भी खुले दिमाग वाला बनना चाहिए... आप सभी को यह भी समझना चाहिए कि आप प्रतिद्वंद्वी हैं, दुश्मन नहीं। सभी दलों को एक-दूसरे का, प्रधानमंत्री पद का, राष्ट्रपति पद का, मुख्यमंत्री पद का सम्मान करना चाहिए। सभी को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सभी संस्थाओं का सम्मान किया जाना चाहिए।केरल के राज्यपाल ने मुस्लिमों में तीन तलाक की प्रथा पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून लाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सराहना की।

2 दिन के जम्मू कश्मीर दौरे पर जाएंगे गृहमंत्री शाह, दे सकते हैं कई बड़ी सौगातें

जम्मू ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू कश्मीर का दौरा करने जा रहे हैं। यह दौरा 1 से 2 अक्टूबर तक होगा। इसमें वे राजौरी और बारामूला में बड़ी रैली को संबोधित करेंगे। इस दौरान वह माता वैष्णो देवी के दर्शन कर सकते हैं। अभी उनका आधिकारिक कार्यक्रम घोषित नहीं किया गया है, लेकिन जानकारी के अनुसार 1 अक्टूबर को वे जम्मू पहुंचेंगे और उसके बाद राजौरी में बड़ी रैली को संबोधित करेंगे। अगले दिन वह श्रीनगर होते हुए बारामूला जाएंगे। बारामूला में वह रैली को संबोधित करेंगे। गृहमंत्री अमित शाह अपने इस दौरे के बीच उप राज्यपाल मनोज सिन्हा से राजभवन कश्मीर में भेंट करेंगे। वहीं, जम्मू कश्मीर की सुरक्षा को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक करेंगे। इस बैठक में राज्य और केंद्र सरकार के कई आला अधिकारियों के साथ पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुख भी मौजूद रहेंगे। गृह मंत्री अमित शाह कश्मीर दौरे में लोगों के लिए कई घोषणाएं कर सकते हैं।

शिंदे गुट को झटका, उद्धव ठाकरे को मिली शिवाजी पार्क में दशहरा रैली की इजाजत

(एजेंसी) बॉम्बे हाई कोर्ट ने उद्धव ठाकरे को दादर के शिवाजी पार्क में दशहरा रैली की इजाजत दे दी है। इसके साथ ही कोर्ट ने उद्धव ठाकरे के आवेदन को रद्द करने के लिए बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) को भी फटकार भी लगाई है। कोर्ट का यह आदेश शिंदे सरकार के लिए झटका माना जा रहा है। इससे पहलेबीएमसी ने शिवसेना के उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट को यहां के शिवाजी पार्क में दशहरा रैली के आयोजन की अनुमति नहीं दी थी। बीएमसी के अधिकारियों के अनुसार, मुंबई पुलिस द्वारा उठाए गए कानून व्यवस्था से संबंधित मुद्दों के आधार पर शिवाजी पार्क में रैली आयोजन की अनुमति देने से इनकार किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि बीएमसी ने पत्र भेजकर दोनों गुटों को अनुमति नहीं देने की जानकारी दी है। ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के अनिल देसाई ने 22 अगस्त को बीएमसी को मध्य मुंबई के प्रतिष्ठित पार्क में रैली आयोजित करने की अनुमति के लिए आवेदन किया था। बाद में 30 अगस्त को शिंदे गुट के विधायक सदा सर्वंकर ने भी दशहरा रैली आयोजित करने के लिए बीएमसी के जी-नॉर्थ वार्ड से अनुमति को लेकर आवेदन किया था। पिछले हफ्ते शिंदे गुट को मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स के एमएमआरडीए मैदान में एक रैली करने की अनुमति मिली थी।

यहां से भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होंगी सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी

(एजेंसी):

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा 'भारत जोड़ो यात्रा' के कर्नाटक चरण में हिस्सा लेंगी। राहुल गांधी के नेतृत्व वाली यह यात्रा 30 सितंबर को कर्नाटक में प्रवेश करेगी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। शिवकुमार ने कहा कि विभिन्न नेताओं को जिम्मेदारी देकर प्रदेश इकाई ने यात्रा की तैयारी कर ली है। उन्होंने कहा, ''सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी यहां यात्रा में भाग लेंगी। वे तारीखों के बारे में बताएंगी... मैं आगामी दिनों में तारीखों की घोषणा करूंगा।'' अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) महासचिव के सी वेणुगोपाल के साथ एआईसीसी के एक अन्य महासचिव और कर्नाटक के प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला, प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार और कई नेताओं ने शुक्रवार को यात्रा के संबंध में पार्टी की समीक्षा बैठक में भाग लिया। वेणुगोपाल ने कहा, ''कर्नाटक में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी किसी दिन भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हो सकती हैं और प्रियंका गांधी भी किसी अलग दिन शामिल होंगी।''शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक में यात्रा का चरण 30 सितंबर को सुबह नौ बजे गुंडलुपेट से शुरू होगा। उन्होंने कहा कि दो अक्टूबर को गांधी जयंती पर नंजनगुड तालुक के बदनवालु में एक कार्यक्रम है, जिसे खादी और ग्रामोद्योग केंद्र के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा, ''दशहरा में दो दिन की छुट्टी होगी, बेल्लारी में एक जनसभा भी होगी। राहुल गांधी युवाओं, महिलाओं, नागरिक समाज, छात्रों, आदिवासी समुदाय और किसानों के साथ हर दिन बातचीत करेंगे, और इसके लिए टीम का गठन किया गया है।''' राहुल गांधी से पार्टी अध्यक्ष का पद संभालने के लिए की जा रही मांग पर शिवकुमार ने कहा कि वह इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहते। शिवकुमार ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''केपीसीसी ने पहले ही कांग्रेस अध्यक्ष को अधिकृत कर दिया है... हम सभी प्रतिबद्ध हैं कि राहुल जी को पार्टी का नेतृत्व करना चाहिए, लेकिन यह निर्णय उन्हें करना है।'' वेणुगोपाल ने कहा कि एआईसीसी यात्रा के लिए कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) द्वारा की गई व्यवस्था से पूरी तरह संतुष्ट है। यात्रा की सफलता के लिए कर्नाटक में इंतजाम का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ''पिछले दस वर्षों से, भाजपा और संघ परिवार का एक ही काम था-राहुल गांधी की छवि खराब करना, लेकिन लोग अब महसूस कर रहे हैं कि राहुल गांधी कौन हैं... यह यात्रा भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगी।'' एक सवाल के जवाब में वेणुगोपाल ने कहा, ''पेसीएम'' कांग्रेस द्वारा शुरू किया गया अभियान नहीं है और पार्टी केवल कर्नाटक के लोगों के वास्तविक मुद्दों को उठा रही है। उन्होंने कहा कि हर कोई कह रहा है कि यह राज्य की सबसे भ्रष्ट सरकार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गिरफ्तारी से नहीं डरती, पार्टी कार्यकर्ताओं में हिम्मत है और वे भ्रष्टाचार के मुद्दों को उठाते रहेंगे, चाहे कुछ भी हो जाए।

अर्बन नक्सलियों ने सालों रोका सरदार सरोवर बांध का काम: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

(एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राजनीतिक समर्थन प्राप्त ''शहरी नक्सलियों व विकास विरोधी तत्वों'' ने गुजरात में नर्मदा नदी पर सरदार सरोवर बांध के निर्माण को कई वर्षों तक रोके रखा और यह कहते हुए अभियान चलाते रहे कि यह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाएगा। प्रधानमंत्री ने विभिन्न राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों से आग्रह किया कि सुनिश्चित करें कि व्यवसाय को सुगम बनाने या जीवन को आसान बनाने वाली परियोजनाओं को केवल पर्यावरण के नाम पर अनावश्यक रूप से रोका ना जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ऐसे ''शहरी नक्सली'' अब भी सक्रिय हैं और पर्यावरण के नाम पर विकास परियोजनाओं को बाधित करने के लिए विभिन्न संस्थान उनका समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकारों से ''ऐसे लोगों की साजिशों से निपटने'' के लिए पर्यावरण संबंधी मंजूरी देने के वास्ते संतुलित दृष्टिकोण अपनाने को कहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार यानी आज गुजरात में नर्मदा जिले के एकता नगर में राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए उद्घाटन किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, '' राजनीतिक समर्थन प्राप्त शहरी नक्सलियों व विकास विरोधी तत्वों ने गुजरात में नर्मदा नदी पर सरदार सरोवर बांध के निर्माण को कई वर्षों तक रोके रखा और यह कहते हुए इसके खिलाफ अभियान चलाते रहे कि यह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाएगा। इस विलंब के कारण भारी धन राशि का नुकसान हुआ। अब जब बांध बनकर तैयार है, तो आप देख सकते हैं कि उनके दावे कितने खोखले थे।'' मोदी ने कहा कि इस परियोजना के पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के दावे के विपरीत, बांध के आसपास का क्षेत्र अब पर्यावरण प्रेमियों के लिए एक ''तीर्थ क्षेत्र'' बन गया है। मोदी मशहूर 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' और इस 182 मीटर ऊंचे स्मारक के आसपास बने प्रतिष्ठित पर्यटक आकर्षणों जैसे जंगल सफारी, फूलों की घाटी आदि का जिक्र कर रहे थे। नक्सलवाद के प्रति सहानुभूति रखने वालों के साथ-साथ कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए कुछ राजनीतिक खेमे अक्सर ''शहरी नक्सली'' (अर्बन नक्सल) शब्द का इस्तेमाल करते हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पिछले महीने आरोप लगाया था कि ''शहरी नक्सलियों'' ने राज्य तथा कच्छ क्षेत्र को पानी व विकास से वंचित करने के लिए सरदार सरोवर बांध के निर्माण का विरोध किया था।

भारत जोड़ो यात्रा रुकी

भाजपा ने बोला हमला, कांग्रेस ने कहा 15 दिन में ब्रेक होता

नई दिल्ली ।

केरल में शुक्रवार को कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा रोके जाने को लेकर विवाद पैदा हो गया है। पीएफआई ने अपने खिलाफ एनआईए की कार्रवाई के खिलाफ शुक्रवार को केरल बंद का आह्वान किया है। इसके बाद कांग्रेस द्वारा शुक्रवार को यात्रा रोकने को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। भाजपा नेता कपिल मिश्रा ने ट्विट कर सवाल किया, पीएफआई और इस्लामिक जिहादी संगठनों ने आज हड़ताल का आह्वान किया और कांग्रेस ने शुक्रवार को अपनी पद यात्रा रोक दी। इससे घटिया और शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता। इसके बाद कांग्रेस पार्टी ने सफाई दी है। कांग्रेस का कहना है कि यात्रा के दौरान हर सात दिनों पर ब्रेक लिया जाता है। इससे पहले 15 सितंबर को ब्रेक लिया गया था। अगला ब्रेक यात्रा के कर्नाटक में प्रवेश से पहले 30 सितंबर को होगा। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और जयराम रमेश ने भाजपा के आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि 333 किलोमीटर की यात्रा के बाद त्रिशूर जिले में ब्रेक लिया गया। जब हमने 150 किमी की यात्रा पूरी की थी, तब 15 सितंबर को ब्रेक लिया था। इस दौरान यात्री रिफ्रेश होते हैं और आगे की यात्रा के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार होते हैं। शुक्रवार को यात्रा विराम के दौरान मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया है। पवन खेड़ा ने मिश्रा को जवाब देकर कहा कि क्या संघ प्रमुख पीएफआई के माफी मांगों यात्रा के खिलाफ कोई कार्रवाई करे। उधर, कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि यात्रियों को आराम की जरूरत थी। इस दौरान उन्हें मेडिकल जांच और योग थैरेपी दी जा रही है। कोच्चि में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीएफआई पर हमला बोलकर कहा था कि कोई भी संगठन जो हिंसा फैलाता हो, उसकी निश्चित तौर पर आलोचना होनी चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मोहन भागवत की नई पहल

मोहनजी ने मदरसे के बच्चों से खुलकर बात की। इसके एक दिन पहले मोहन भागवत ने पांच नामी-गिरामी मुस्लिम बुद्धिजीवियों से भी संवाद किया। मोहनजी ने राष्ट्रीय एकात्म पैदा करने की यह जो पहल की है, इसकी शुरुआत पूर्व संघ-प्रमुख कुप्प सी सुदर्शन ने की थी।

(लेखक-डॉ वेदप्रताप वैदिक)

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत और अखिल भारतीय इमाम संघ के प्रमुख इमाम उमर इलियासी दोनों ही हार्दिक बधाई के पात्र हैं। इन दोनों सज्जनों ने जो पहल की है, वह एतिहासिक है। इलियासी ने दावत दी और भागवत ने उसे स्वीकार किया। मोहन भागवत मस्जिद में गए और मदरसे में भी गए। मोहनजी ने मदरसे के बच्चों से खुलकर बात की। इसके एक दिन पहले मोहन भागवत ने पांच नामी-गिरामी मुस्लिम बुद्धिजीवियों से भी संवाद किया। मोहनजी ने राष्ट्रीय एकात्म पैदा करने की यह जो पहल की है, इसकी शुरुआत पूर्व संघ-प्रमुख कुप्प सी सुदर्शन ने की थी। सुदर्शनजी कन्नड़भाषी थे। उनका लालन-पालन और शिक्षण मध्यप्रदेश में हुआ था। वे इंदौर में संघ की शाखा चलाया करते थे। वे मेरे अभिन्न मित्र थे। वे लगभग 60-65 साल पहले इंदौर में मेरे घर पर आनेवाले मेरे मुसलमान और ईसाई मित्रों से खुलकर बहस किया करते थे। मेरे पिताजी के पुस्तकालय में इस्लाम पर जितने भी ग्रंथ थे, वे सब उन्होंने पढ़ रखे थे। उनकी यह पक्की धारणा थी कि भारत के हिंदू और मुसलमान सभी भारतमाता की संतान हैं। यह जरुरी है कि वे मिलकर रहें और उनके बीच सतत संवाद और संपर्क बना रहना चाहिए। जब सुदर्शनजी सर संघचालक बने तो उन्होंने 2002 में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच बनवाया, जिसका सफल संचालन इंद्रेशकुमार कर रहे हैं। सुदर्शनजी ने मेरे अनुरोध पर स्वयं लखनऊ जाकर कई मौलानाओं और समाजवादी नेताओं से सस्नेह संवाद कायम किया। उसी धारा को अब मोहन भागवत ने काफी आगे बढ़ा दिया है। मोहनजी ने अपने संवाद में साफ-साफ कहा कि जिहाद के नाम पर हिंसा और बैर-भाव फैलाना तथा हिंदुओं को काफिर कहना कहाँ तक ठीक है? इसी प्रकार उन्होंने अपने कथन को दोहराया कि हिंदू और मुसलमानों का डीएनए तो एक ही है। वे सब भारतमाता की संतान हैं। मोहनजी ने मदरसे के बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए उनकी शिक्षा में आधुनिक विषय पढ़ाने के सुझाव भी दिए। मोहन भागवत के आगमन और संवाद से सम्मोहित हुए इमाम इलियासी ने उन्हें 'राष्ट्रपिता' तक कह दिया। फूलकर कुप्पा होने की बजाय विनम्रता के धनी मोहन भागवत ने कहा कि राष्ट्रपिता तो एक ही हैं। हम सब राष्ट्र की संतान हैं। इलियासी अक्सर मुझसे कहा करते हैं कि मुसलमान तो मैं पक्का हूँ लेकिन मैं राजपूत भी हूँ, यह मत भूलिए। हिंदुओं और मुसलमानों में जो लोग कट्टरपंथी हैं, उन्हें भागवत और इलियासी, दोनों से काफी नाराजी हो रही होगी लेकिन वे जरा सोचें कि नरेंद्र मोदी राज में कट्टरवादियों ने कटुता और संकीर्णता का जैसा माहौल बना रखा है, उसमें क्या यह भेंट आशा की किरण की तरह नहीं चमक रही है? पाकिस्तान और अफगानिस्तान में उनके नेताओं से जब भी मेरी बात होती है, वे संघ पर प्रहार करने से कभी नहीं चूकते लेकिन क्या अब वे यह महसूस नहीं करेंगे कि यह जो नई विचारधारा भारत में चल पड़ी है, यह भारत के हिंदुओं और मुसलमानों को ही एक-मेक नहीं कर देगी बल्कि यह प्राचीन भारत याने आर्यावर्त्त याने दक्षिण एशिया के पड़ौसी देशों को भी एक सूत्र में बांधने का काम करेगी। यही असली 'भारत जोड़ो' है।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

डॉक्टर (बेहोश मरीज को देखकर)- यह तो मर गया है।

मरीज (होश में आकर)- मैं तो जीवित हूं। मरीज की पत्नी- कुछ तो सोच समझकर बोला कीजिए, इतने बड़े डॉक्टर हैं झूठ बोलेगे क्या?

□ □ □

पत्नी- कुछ साल पहले तुमने मुझसे कहा था कि तुम स्वर्ग में रहने की बजाय मेरे साथ नर्क में रहना पसद करोगे।

पति- बदकिस्मती से मेरी इच्छा पूरी हो गई।

□ □ □

परसों रात तुम कहा थी? वकील ने युवती से पूछा।

युवती- अपने पड़ोसी के साथ रेस्तरां में खाना खाने गई थी। और कल रात? वकील ने दूसरा सवाल पूछा।

युवती- एक दूसरे पड़ोसी के साथ। और आज का तुम्हारा क्या कार्यक्रम है? वकील ने धीरे से पूछा।

'ऑब्जेक्शन मी लॉर्ड' दूसरा वकील चिल्लाया, यह सवाल मैंने पहले ही कर लिया है।

□ □ □

नवीन , 'पापा, पानीपत की पहली लड़ाई कहां पर हुई थी?'

पापा, 'इतना भी पता नही, स्कूल में क्या करने जाता हैं। कल पूछ कर आना अपने टीचर से।'

विकास के लिए शोध और नवाचार का बजट बढ़े

(लेखक- तनवीर जाफ़री)

शोध एवं नवाचार के कारण बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य, डिजिटल, प्रौद्योगिकी, कृषि, शिक्षा, रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति हो रही है। भारत के नवाचार दुनिया में सबसे प्रतियोगी, किफायती, टिकाऊ, सुरक्षित और बड़े स्तर पर लागू होने वाले समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं। नए वैश्विक ग्लोबल इंडेक्स के तहत भारत में कारोबारी विशेषज्ञता, रचनात्मकता, राजनीतिक और संचालन से जुड़ी स्थिरता, सरकार की प्रभावशीलता और दिवालियापन की समस्या को हल करने में आसानी जैसे संकेतकों में अच्छे सुधार किए गये हैं।

हाल ही में 16 सितंबर को उज्बेकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में कहा गया कि भारत प्रत्येक क्षेत्र में शोध और नवाचार (रिसर्च एवं इनोवेशन) का समर्थन करते हुए अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। वर्ष 2022 में भारत की अर्थव्यवस्था में 7.5 फीसदी वृद्धि करने की आशा है जो विश्व की सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक होगी। यह भी कहा गया कि आज भारत में 70,000 से अधिक स्टार्ट-अप हैं, जिनमें 100 से अधिक यूनिकॉर्न हैं। ऐसे में भारत शोध और नवाचार को और अधिक प्रोत्साहन देते हुए देश को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास को नई रफ्तार देने की राह पर आगे बढ़ रहा है। पिछले सात-आठ वर्षों से स्थितियां भारत को अनुसंधान और नवाचार के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में लगातार समर्थन देते हुए दिखाई दे रही हैं। वर्ष 2014 के बाद से विज्ञान और नवाचार पर निवेश बढ़ा है। यही कारण है कि भारत ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में इस समय 46वें स्थान पर है, जो 2015 में 81वें स्थान पर था। इस समय जब भारत चौथी औद्योगिक क्रांति का नेतृत्व कर रहा है तब भारत के विज्ञान और नवाचार की अहम भूमिका से विकास की आस पूरी होगी। सरकार ने देश को 25 वर्ष बाद 2047 तक विकसित देश बनाने के बड़े लक्ष्य को हासिल करने के मद्देनजर शोध और नवाचार की भूमिका को अब अधिक अहम एवं प्रभावी बनाए जाने का संकेत दिया है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पिछले एक दशक में शोध, नवाचार और तकनीकी विकास के परिप्रेक्ष्य में भारत लगातार आगे बढ़ा है। शोध एवं नवाचार के कारण बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य, डिजिटल, प्रौद्योगिकी, कृषि, शिक्षा, रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति हो रही है। भारत के नवाचार दुनिया में सबसे प्रतियोगी, किफायती, टिकाऊ, सुरक्षित और बड़े स्तर पर लागू होने वाले समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं। नए वैश्विक ग्लोबल इंडेक्स के तहत भारत में कारोबारी विशेषज्ञता, रचनात्मकता, राजनीतिक और संचालन से जुड़ी स्थिरता, सरकार की प्रभावशीलता और दिवालियापन की समस्या को हल करने में आसानी जैसे संकेतकों में अच्छे सुधार किए गये हैं। साथ ही भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था, घरेलू कारोबार में सरलता, स्टार्टअप, विदेशी निवेश, जैसे मानकों में भी बड़ा सुधार दिखाई दिया है। निःसंदेह कोविड-19 भारत में नए चिकित्सकीय शोध और नवाचार को बढ़ावा देने का भी एक अवसर बना है। जब फरवरी-मार्च, 2020 में देश में कोरोना संक्रमण की पहली लहर शुरू हुई थी, तब देश में कोरोना की रोकथाम के लिए कोरोना वैक्सीन से संबंधित शोध और उत्पादन के विचार आने शुरू हुए थे। सामान्य तौर पर किसी बीमारी का टीका बनाने में कई वर्ष लगते हैं, लेकिन भारत में कोरोना वायरस की चुनौती के मद्देनजर कुछ महीनों के अंदर कोरोना के टीका बनाने का कठिन लक्ष्य पूरा किया गया। इतना ही नहीं, देश में अगस्त, 2022 तक 200 करोड़ से अधिक टीके लगाए जा चुके हैं। यहां कृषि क्षेत्र को आगे बढ़ाने में भी कृषि संबंधी शोध और नवाचार की प्रभावी भूमिका है। देश में कृषि शोध से जुड़ी सौ से अधिक रिसर्च इंस्टिट्यूट, 75 कृषि विश्वविद्यालयों और इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चरल रिसर्च (आईसीआर) के 20 हजार से अधिक वैज्ञानिकों के समर्पित शोध कार्य, प्री एंड पोस्ट हार्वेस्टिंग मैनेजमेंट, कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते निजी निवेश, 731 कृषि विज्ञान केंद्रों से मुफ्त बीजों का वितरण, सीड टेक्नोलॉजी में फसलों की जीनोम एडिटिंग की अनुमति, कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा दिए जाने से कृषि क्षेत्र में विकास का नया अध्याय तेजी से आगे बढ़ रहा है। जब हम इस प्रश्न पर विचार करते हैं कि भारत को विकसित देश बनाने के लिए शोध एवं नवाचार में कितना आगे बढ़ना होगा, तो हमारे सामने दुनिया के 38 विकसित देशों का आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) दिखाई देता है। इस समूह के सभी देशों ने अपने-अपने देश में आर्थिक विकास को ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए शोध और विकास (आरएंडडी) की भूमिका को प्रभावी बनाया है। इस समय यूरोपीय संघ में आर एंड डी पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 2 प्रतिशत, अमेरिका और जापान में करीब 3 फीसदी और दक्षिण कोरिया में करीब 4.5 फीसदी व्यय किया जाता है। जहां दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में आर एंड डी पर खर्च निरंतर तेजी से बढ़ा है। वहीं भारत में आर एंड डी पर करीब 0.67 प्रतिशत ही व्यय हो रहा है। यदि हम आर एंड डी की दृष्टि से देखें तो आज भारत उसी मुकाम पर खड़ा है, जहां 60-70 वर्ष पहले अमेरिका था। यह ध्यान देने योग्य है कि अमेरिका ने आर एंड डी पर तेजी से अधिक खर्च करके सूचना प्रौद्योगिकी, संचार, दवाओं, अंतरिक्ष अन्वेषण, ऊर्जा और अन्य तमाम क्षेत्रों में द्रुत गति से आगे बढ़कर दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बनने का अध्याय लिखा है। ऐसे में भारत को भी आर एंड डी की ऐसी सुविचारित रणनीति पर आगे बढ़ना होगा, जिसके तहत सरकार, निजी क्षेत्र और शोध संस्थानों के बीच सहजीविता और समन्वय के सूत्र आगे बढ़ाए जा सकें। सरकार को आर एंड डी पर देश की कुल जीडीपी का कोई दो फीसद तक खर्च किया जाना सुनिश्चित करना उपयुक्त होगा। इसके साथ ही आर एंड डी में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी भी बढ़ाई जानी होगी। आर एंड डी की राशि को केवल सरकारी शोध प्रयोगशालाओं तक ही सीमित न करके बुनियादी एवं अनुप्रयुक्त शोध के लिए व्यापक आधार तैयार करने पर भी खर्च किया जाना होगा। बड़ी कंपनियों के लिए अपने लाभ का एक उपयुक्त हिस्सा आर एंड डी पर व्यय करना सुनिश्चित करना होगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि केंद्र सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभागों का पुनर्गठन किया जाना होगा। मिशन-आधारित उपक्रम बनाए जाने होंगे, डीआरडीओ और अंतरिक्ष आयोग जैसे मिशन-केंद्रित अनुसंधान संस्थानों का निजी क्षेत्र के साथ बेहतर जुड़ाव किया जाना होगा। देश के उच्च शैक्षणिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों में उच्च शोध और नवाचार को प्रोत्साहित किया जाना होगा। जलवायु परिवर्तन और जैव-अर्थव्यवस्था जैसी उभरती चुनौतियों से निपटने के साथ ही नैनो-टेक्नोलॉजी और एआई जैसे दीर्घकालिक अवसरों को मुट्ठी में लेने के लिए नए मिशन-केंद्रित कार्यक्रमों पर ध्यान दिया जाना होगा। चिप डिजाइन और फार्मा जैसे उत्पादों में आर एंड डी की और अधिक दखल जरूरी होगी। हम उम्मीद करें कि सरकार दुनिया के विभिन्न विकसित देशों की तरह भारत में भी शोध एवं नवाचार पर जीडीपी की दो फीसदी से अधिक धनराशि व्यय करने की डगर पर आगे बढ़ेगी। ऐसे में 2047 में आजादी के सौ वर्ष पूरा करने के ऐतिहासिक अवसर पर भारत आर्थिक रूप से शक्तिशाली और विकसित भारत बनने के सपने को भी साकार करते हुए दिखाई दे सकेगा।

लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं।

मोबाइल नशा

तकनीक के ग्रास में ई-उपवास से आस

कृष्ण प्रताप सिंह

मोबाइलों के लत में बदल जाने से आजिज आम लोगों के कुछ घंटों या दिनों के लिए उनसे दूरी बरतने के प्रयोगों की विदेशों से आई खबरें हम अरसे से पढ़ते व सुनते आये हैं। कई विकसित देशों के बारे में तो कहते हैं कि उनके नागरिकों का बड़ा हिस्सा इस बात से लगातार चिढ़ा रहता है कि मोबाइलों के कारण उसकी न कोई निजता रह गई है और न एकांत क्योंकि मोबाइलों की पहुंच उनके बेडरूमों और बाथरूमों तक हो गई है। अमेरिका के बारे में एक सर्वे का निष्कर्ष है कि उसके अनेक नागरिक मोबाइलों को सर्वाधिक अवांछनीय चीजों में शुमार करने लगे हैं-भले ही उन्हें उनसे छुटकारा पाने के जतन न सूझते हों। लेकिन अब, संचार क्रांति से अभिभूत अपना देश भी उसी दिशा में बढ़ता लगता है। पिछले दिनों मध्य प्रदेश के रायसेन जिले से आई यह खबर कुछ ऐसा ही संकेत देती है, जिसमें कहा गया कि वहां सैकड़ों लोगों ने एक निश्चित अवधि के लिए न सिर्फ मोबाइलों बल्कि लैपटॉप सहित प्रायः सारे डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से दूरी बना ली। इस दूरी को उन्होंने ई-उपवास या डिजिटल फास्टिंग का नाम दिया। उसे ठीक से बरतने के लिए अपने उपकरणों को पास के मंदिर में जमा कर दिया। इस उपवास की पहल जैन समाज की ओर से अपने पर्यूषण पर्व के दौरान की गई, जिसमें उपवास की दो कोटियां बनाई गईं। इनके तहत एक दिन का उपवास रख सकने वालों ने एक दिन और दस दिन का उपवास रख सकने वालों ने 10 दिनों के लिए अपने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को हाथ नहीं लगाया। राजस्थान के चुरू जिले में मोबाइल का लती एक युवक मानसिक रोगी बन गया तो चिकित्सक बड़ी मुश्किल से उसकी हालत सुधार पाये। दूसरी ओर,

प्रयागराज स्थित मोतीलाल नेहरू मंडलीय अस्पताल में पिछले दिनों मोबाइल व इंटरनेट की बढ़ती लत से बीमार होकर आने वाले मरीजों की संख्या इतनी बढ़ गई कि उन्हें निजात दिलाने के लिए अस्पताल को एक मोबाइल नशामुक्ति केंद्र स्थापित करना पड़ा। दरअसल, समस्या मोबाइल में कम और हमारी उस आदत में ज्यादा है, जिसके तहत हम प्रायः सारी जीवनोपयोगी चीजों के इस्तेमाल में असंयम बरतते हैं। यहां तक कि खाने-पीने में भी। यह असंयम आड़े न आता और मोबाइल के इंटरनेट के साथ जुड़कर स्मार्ट होते ही उसे लत व बीमारी में न बदल देता तो निस्संदेह वह सामाजिक सशक्तीकरण के सबसे प्रभावी उपकरण की भूमिका निभाता। लेकिन कैसे निभाता, जब संचार क्रांति के सारे लाभों को अपने खाते में रखने की प्रतिद्वंद्विता में बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने सरकारों के साथ मिलकर जल्दी ही उससे जुड़ी चीजों को अति पर पहुंचाने की ठान ली। देशवासी नई टेक्नोलॉजी के हानि-लाभ से परिचित भी नहीं हुए और उसके साथ ठीक से तारतम्य बिठाना भी नहीं सीख पाये कि सरकार और इन कम्पनियों ने उसे अपरिहार्य बनाते हुए उनके सिर पर सवार करा दिया। इसकी मिसाल यह कि व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर, कू और टेलीग्राम वगैरह इस तरह लोगों की 'जरूरतों' में शामिल हो गये हैं कि चावल-दाल व आटा से ज्यादा महत्वपूर्ण इंटरनेट का डाटा हो गया है। नोकिया वार्षिक मोबाइल ब्रॉडबैंड इंडेक्स रिपोर्ट, 2022 से पता चलता है कि भारत दुनिया में सबसे अधिक डाटा इस्तेमाल करने वाले देशों में है और उसके निवासी अन्य देशों की तुलना में मोबाइल पर औसतन ज्यादा समय बिताते हैं। तिस पर रिपोर्ट के अनुसार, भारत में मोबाइल पर वीडियो देखने का चलन 2025 तक बढ़कर चार गुना तक हो जायेगा। देश में 2021 में डाटा ट्रैफिक में 31 फीसदी की वृद्धि हुई और औसत मोबाइल डाटा खपत प्रति उपयोगकर्ता प्रति माह 17 जीबी तक पहुंच गयी है। डेलॉइट के 2022 ग्लोबल टीएमटी अध्ययन में कहा गया है कि भारत में 2026 तक 100 करोड़ मोबाइल फोन उपयोगकर्ता होंगे। क्या आश्चर्य कि अब संचार क्रांति के लाभों के बीच उसके अनर्थ भी हमारे सिर चढ़कर बोलने लगे हैं। कहीं साइबर ठग लोगों की नादानी का लाभ उठाकर बैंक अकाउंट खाली कर दे रहे हैं तो कहीं जीवन में तकनीक का बेरोकटोक अवांछनीय हस्तक्षेप उनके दिल व दिमाग से खेल रहा है। स्थिति यह है कि मोबाइल की लत से चिड़चिड़ेपन व बेचैनी के शिकार होने के बावजूद चार-पांच साल के बच्चे भी मोबाइल गेम खेले बिना नहीं रह पा रहे हैं। किसी बच्चे से मोबाइल ले लिया जाये तो उसका सोना-जागना, पढ़ना-लिखना और खाना-पीना सब दूभर हो जाता है। फलस्वरूप वह बेहद आक्रामक हो उठता है। अभी बहुत समय नहीं बीता, मुंबई में मोबाइल गेम खेलने से मना करने पर एक 16 वर्षीय किशोर ने आत्महत्या कर ली थी और लखनऊ में एक किशोर ने मोबाइल पर पब्जी खेलने से मना करने पर अपनी मां की गोली मारकर हत्या कर दी थी। अब संकट यह है कि कई बच्चे किशोरावस्था से पहले ही वयस्क हो जा रहे हैं-शारीरिक रूप से नहीं तो मानसिक तौर पर ही सही। वे प्रायः घर के ही किसी कमरे में मोबाइल में उलझे रहते हैं और एकांतजीवी हो जाते हैं। उन खेल के मैदानों में भी नजर नहीं आते, जो कभी उनका सबसे प्रिय स्थान हुआ करता था। ऐसे परिदृश्य में सरकार या संचार क्रांति के लाभ उठाने वाली कम्पनियों की ओर से तो ऐसा कोई कदम उठाये जाने की उम्मीद ही नहीं की जा सकती, जो हमारे जीवन में तकनीक के हस्तक्षेप को उसकी वांछनीयता तक ही सीमित रखे, उसे अहितकर न बनने दे।

चिंतन-मनन

मौन का तन मन की सुन्दरता के लिये महत्व

प्रत्येक मनुष्य सुन्दर एवं स्वस्थ्य रहना चाहता है। सुन्दरता एवं स्वस्थ्य का राज मौन मै छिपा हुआ है। सामान्यतः चुप रहना मौन है, प्राचीन पुराण बचन के साथ ईष्या, डाह, छल, कपट और हिन्सा को कम करना मोन होता है। मनोवैज्ञानिक 'फ्रायड' का कहना है कि जीवन अन्तर्द्वंद्वी शृंखलाओं से मिल कर बना है। अन्तर्द्वंद्व दो या दो से अधिक विरोधी इच्छाओं का एक साथ उत्पन्न होना है। ये असीम इच्छायें पूर्ण न होने पर तनाव नामक बीमारी देती है। जिससे आज के अधिकांस व्यक्ती ग्रासित है। अन्तर्द्वंद्व में फंसे व्यक्ति की स्थिति कई विपरीत दिशाओं से आने वाली नदियों के पानी के साथ मिलने से भॅवर बनती है कि जैसी हो जाती है। भॅवर में फसे व्यक्ति को न बैठे शांति मिलती है न लेटे, न भूख लगती है, न प्यास, न ही ध्यान अध्ययन में मन लगता है। याददास्त क्षमता कम हो जाती है। हार्ट अटेक, आत्म हत्या भी इसी कारण करते हैं। हर मनुष्य अन्नत शक्तिमान है। यह शक्ति मन एवं पाचों इन्द्रियों के कार्यो में खर्च होती है। मन एवं इन्द्रियों को बस मे करने का कार्य 'मौन' करता है। मौन रहने से मनुष्य के अन्दर की छुपी हुई शक्ति उदय हो जाती है। आज के कल युग में इनद्रिय विषय-भोगों की सामग्री में वहुत वृद्धि हूई है जिसे अपनाने पर इक्छा शक्ति में अधिक बृद्धि हो रही है। जो टेन्सन को जन्म देती है। अतः आज टेन्सन बड़ी बीमारी हो गई है। जो भी व्यक्ति अधिक बोलते है उनके मुख में रहने वाला पाचक रस सूख जाता है। मानसिक सन्तुलन खो जाता है, हृदय गति तेज हो जाती है। मान इन सब परेशानियों से बचने की राम वाण औषधी है। दिन में एक घण्टा मौन रहने पर दो घण्टे की कार्य क्षमता में बृद्धि होती है। रक्त प्रवाह सामान्य स्वस्थ्य होता है, तन, मन, सुन्दर बनता है। अतः संयमित वोल मान को जीवन में अपनाना चाहिये।

सोने, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने , चांदी की कीमतें गिरी हैं। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 139 रुपये नीचे आकर 50,326 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 50,465 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं दूसरी ओरसोने की तरह चांदी भी 363 रुपये टूटकर 58,366 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई जबकि पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 58,729 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इसके अलावा अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो सोना फिसलकर 1,665 डॉलर प्रति औंस पर रहा जबकि चांदी 19.50 डॉलर प्रति औंस पर बनी हुई थी। बाजार जानकारों के अनुसार निवेश का सुरक्षित विकेल्प होने के कारण सोने के प्रति रुझान बढ़ा है। वहीं अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की नीतिगत दर में वृद्धि करने से भी सोने की कीमतें नीचे आयी हैं।''

टाटा स्टील में सात मेटल कंपनियों का होगा विलय

नई दिल्ली । देश से प्रमुख औद्योगिक घरानों में शामिल टाटा ग्रुप ने अपनी सात मेटल कंपनियों को टाटा स्टील में विलय करने की घोषणा की है। इनमें टाटा स्टील लांग प्रोडक्ट्स लिमिटेड, द टिनप्लेट कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, टाटा मेटालिक्स लिमिटेड, द इंडियन स्टील एंड वायर प्रोडक्ट्स लिमिटेड, टाटा स्टील माइनिंग लिमिटेड, टीआरएफ और एसएंडटी माइनिंग कंपनी लिमिटेड शामिल हैं। टाटा स्टील ने बताया कि उसके बोर्ड ने गुरुवार को इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। टाटा स्टील लांग प्रोडक्ट्स लिमिटेड में टाटा स्टील की 74.91 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके अलावा उसकी द टिनप्लेट कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड में 74.96 प्रतिशत, टाटा मेटालिक्स लिमिटेड में 60.03 प्रतिशत और द इंडियन स्टील एंड वायर प्रोडक्ट्स लिमिटेड में 95.01 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि टाटा स्टील माइनिंग लिमिटेड और एसएंडटी माइनिंग कंपनी लिमिटेड दोनों उसके पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनियां है। बोर्ड ने साथ ही टाटा स्टील की सहयोगी कंपनी टीआरएफ लिमिटेड की भी टाटा स्टील लिमिटेड में विलय को मंजूरी दी। इस कंपनी में टाटा स्टील की 34.11 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

आरएनईएल कैलक्स में 20 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी

नई दिल्ली । देश के प्रमुख कारोबारियों में शामिल मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड (आरएनईएल) कैलीफॉर्निया कि सौर तकनीक कंपनी कैलक्स में 20 फीसदी हिस्सेदारी के लिए 1.2 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी। आरएनईएल ने कहा कि कंपनी ने निवेश करने के लिए कुछ समझौते किए हैं। आरएनईएल ने कहा कि कैलक्स के लिए यह निवेश उसके उत्पाद और प्रौद्योगिकी विकास में तेजी लाएगा। जिसमें कंपनी की प्रौद्योगिकी के वाणिज्यिक विकास को लेकर अमेरिका में पायलट लाइन का निर्माण शामिल है। बयान में कहा गया है कि आरएनईएल और कैलक्स ने अमेरिकी कंपनी की प्रौद्योगिकी के लिए तकनीकी सहयोग और व्यावसायीकरण को लेकर एक रणनीतिक साझेदारी समझौता भी किया है। कैलक्स पेरोवस्काइट आधारित सौर प्रौद्योगिकी के विकास में लगी हुई है। आरएनईएल ने कहा कि अनुसंधान और पेरोवस्काइट आधारित सौर प्रौद्योगिकी के विकास में कैलक्स अग्रणी है। कंपनी की अपनी तकनीक उच्च दक्षता वाले सौर मॉड्यूल को सक्षम करती है जो सौर परियोजना के 25 साल के जीवनकाल में काफी कम स्थापित लागत पर 20 प्रतिशत अधिक ऊर्जा का उत्पादन कर सकती है। रिलायंस गुजरात के जामनगर में वैश्विक स्तर पर एकीकृत फोटोवोल्टिक गीगा फैक्ट्री स्थापित कर रही है। इस निवेश और सहयोग के माध्यम से कैलक्स के उत्पादों का लाभ उठाते हुए रिलायंस अधिक ताकतवर और कम लागत वाले सौर मॉड्यूल का उत्पादन करने में सक्षम होगी।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1,020 और निफ्टी 302 अंक टूटा , निवेशकों के करीब 5 लाख करोड़ रुपये डूबे

मुंबई ।
मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से बाजार टूटा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,020.80 अंक करीब 1.73 फीसदी फिसलकर 58,098.92 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 302.45 अंक तकरीबन 1.72 फीसदी टूटकर 17,327.35 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 7.93 फीसदी की गिरावट पावरग्रिड के शेयर में रही। वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, एचडीएफसी और इंडसइंड बैंक के शेयर भी नीचे आये जबकि सन फार्मा, टाटा स्टील और आईटीसी के शेयर लाभ बढ़त पर रहे। दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नीचे आये। इसके अलावा यूरोपीय और अमेरिकी बाजारों में भी गिरावट रही। रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल ब्रेंट क्रूड भी 1.87 फीसदी गिरकर 88.77 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। बाजार में आई इस गिरावट से निवेशकों के करीब 5 लाख करोड़ रुपये डूब गये हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने के बाद से ही बाजार में गिरावट का दौर जारी है। इसी कारण सप्ताह के अंतिम दिन निफ्टी के सभी इंडेक्स और बैंकिंग, ऑटो, आईटी सहित सभी क्षेत्रों में गिरावट दर्ज की गयी। सबसे ज्यादा बिकवाली वित्तीय और बैंकिंग शेयर में रही। इससे निफ्टी बैंक इंडेक्स 2.67 फीसदी तक गिर गया। इसके अलावा वाहन, संपत्ति और धातु के क्षेत्र में भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। गत दिवस बीएसई का मार्केट कैप 28,169,393.39 करोड़ था, जो कि आज गिरकर 27666484 करोड़ पहुंच गया। इसके कारण निवेशकों को 5,02,909 करोड़ का नुकसान हुआ।

BSE, एनएसई और एमएसई जल्द से जल्द देंगे सूचीबद्ध प्रतिभूतियों के बाजार आंकड़े

नई दिल्ली : (एजेंसी)

देश के प्रमुख बाजारों- बीएसई, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज (एमएसई) ने शुक्रवार को कहा कि वे बाजार बंद होने के बाद सूचीबद्ध प्रतिभूतियों की दैनिक मूल्य संबंधी जानकारी जल्द से जल्द अपनी बेवसाइटों पर उपलब्ध कराएंगे। इन बाजारों ने कहा कि निवेशकों और विभिन्न बाजार प्रतिभागियों के व्यापक हित को देखते हुए यह फैसला किया गया है। बीएसई, एनएसई और एमएसई ने एक साझा बयान में कहा, 'निवेशकों और विभिन्न बाजार प्रतिभागियों के व्यापक हित के मद्देनजर, प्रतिभूतियों की दैनिक मूल्य संबंधी जानकारी को जल्द से जल्द वेबसाइटों पर उपलब्ध कराने का फैसला किया गया है। इन जानकारियों में शुरुआती भाव, दिन का उच्च स्तर, दिन का निचला स्तर और बंद भाव शामिल हैं।' तीनों एक्सचेंज पूंजी बाजार, वायदा और विकल्प (एफएंडओ), ब्याज दर वायदा, मुद्रा वायदा और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में कारोबार के लिए मंच मुहैया कराते हैं।

टीवीएस ने उतारा जूपिटर स्कूटर का क्लासिक संस्करण, कीमत 85,866 रुपये

चेन्नई । देश की घरेलू वाहन विनिर्माता टीवीएस मोटर ने अपने मशहूर स्कूटर मॉडल टीवीएस जूपिटर का खास संस्करण बाजार में उतारा है। कंपनी ने कहा कि 'टीवीएस जूपिटर क्लासिक' संस्करण को दिल्ली में 85,866 रुपये की शोरूम कीमत में उतारा गया है। ब्लैक थीम पर तैयार यह स्कूटर 'डायमंड कट अलॉय' और प्रीमियम खूबियों से लैस है। इसे 'मिस्टिक ग्रे' और 'रीगल पर्पल' रंगों में उतारा गया है। टीवीएस मोटर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (विपणन) अनिरुद्ध हलदर ने कहा, 'नया टीवीएस जूपिटर क्लासिक को प्रीमियम खूबियों के साथ पेश किया गया है। यह संस्करण सबसे तेजी से 50 लाख वाहनों की उपलब्धि हासिल करने के मौके पर उतारा गया है। उन्होंने कहा कि इस नए संस्करण के साथ टीवीएस मोटर जूपिटर ब्रांड के साथ अपने ग्राहकों को 'ज्यादा का फायदा' देना जारी रखेगी।

सरकार ने चावल-गेहूं-आटा की कीमतों पर लगाम लगाने रोका निर्यात

- पिछले साल के मुकाबले खाद्य उत्पादों की कीमतें 20 फीसदी तक बढ़ी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

सरकार ने घरेलू बाजार में चावल, गेहूं, आटे की कीमतों पर लगाम लगाने के लिए इनके निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके बावजूद इनकी कीमतों में इजाफा होते जा रहा है। खाद्य मंत्रालय ने बताया है कि पिछले साल के मुकाबले इन खाद्य उत्पादों की कीमतें 20 फीसदी तक बढ़ गई हैं। खाद्य मंत्रालय के अनुसार घरेलू बाजार में चावल, गेहूं और आटे की कीमतों में आगे भी बढ़ोतरी का अनुमान है। एक दिन पहले ही मंत्रालय ने चावल, गेहूं और गेहूं के आटे का थोक व खुदरा मूले य का औसत जारी किया था। इसमें बताया गया है कि पिछले साल के मुकाबले इस साल इन खाद्य उत्ते पादों की कीमतों में 9 से 20 फीसदी का बड़ा उछाल आया है। इन आंकड़ों के बाद मंत्रालय ने कहा है कि आगे भी चावल, गेहूं और आटे की कीमतों में तेजी जारी रहेगी। कृषि मंत्रालय ने बुधवार को बताया था कि इस साल खरीफ के सीजन में चावल की कुल पैदावार 10.49 करोड़ टन रहने का अनुमान है, जो पिछले साल के खरीफ सीजन में 11.17 लाख टन था। इसके बाद खाद्य मंत्रालय का बयान आया जिसमें आगे भी चावल, गेहूं की कीमतों में उछाल की बात कही जा रही है। मंत्रालय ने कहा है कि कम उत्ते पादन के अनुमान और गैर बासमती चावल के ज्े यादा निर्यात की वजह से आगे भी चावल, गेहूं की कीमतों में उछाल जारी रहेगी। उपभोक्ता मंत्रालय के अनुसार, देश में चावल की खुदरा कीमत पिछले साल के मुकाबले 9.03 फीसदी बढ़ी है, जबकि गेहूं की खुदरा कीमत में 14.39 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। सबसे ज्े यादा उछाल आटे के खुदरा भाव में आया जो पिछले साल से 17.87 फीसदी महंगा हुआ है। चावल की थोक कीमत पिछले साल के मुकाबले 10.16 फीसदी बढ़ गई है, जबकि गेहूं में यह उछाल 15.43 फीसदी का और आटे में 20.65 फीसदी है। मंत्रालय के अनुसार इस साल गैर बासमती चावल के निर्यात में 11 फीसदी का उछाल आया है। वैश्विक बाजार में टूटे चावल की बढ़ती मांग से निर्यात पर दबाव है। अगर पिछले चार साल का कारोबार देखें तो टूटे चावल के निर्यात में 43 फीसदी का बड़ा उछाल आया है। साल 2021 में अप्रैल-अगस्त के दौरान सिर्फ 15.8 लाख टन चावल का निर्यात हुआ था।

अडानी-अंबानी के बीच हुआ 'नो पोचिंग' एग्रीमेंट, एक-दूसरे के कर्मचारियों को नहीं देंगे नौकरी

(एजेंसी)

एशिया के दो सबसे रईस अरबपति गौतम अडानी और मुकेश अंबानी ने आपस में 'नो पोचिंग' एग्रीमेंट किया है। इसके तहत अडानी समूह के कर्मचारी ना तो रिलायंस इंडस्ट्रीज में नौकरी कर सकेंगे और ना ही मुकेश अंबानी की कंपनी में काम कर चुके कर्मचारियों को अडानी समूह हायर करेगी। यह एग्रीमेंट इस साल मई से लागू है और दोनों कंपनियों से जुड़े सभी कारोबार के लिए है। एक रिपोर्ट में दी गई जानकारी के मुताबिक अडानी समूह या रिलायंस इंडस्ट्रीज की ओर से अब तक इस एग्रीमेंट से जुड़े सवाल के जवाब नहीं दिए गए हैं।

एग्रीमेंट की वजह क्या है

'नो पोचिंग' एग्रीमेंट इसलिए भी अहम है क्योंकि अब अडानी समूह उन कारोबार में एंट्री कर रहा है, जहां पहले से ही रिलायंस इंडस्ट्रीज का दबदबा है। पिछले साल, अडानी समूह ने अडानी पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड के साथ पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में प्रवेश का ऐलान किया। इस सेक्टर में रिलायंस की सबसे बड़ी उपस्थिति है। वहीं, टेलीकॉम में भी अडानी समूह ने एंट्री के लिए पहला कदम बढ़ा दिया है। हाल ही में अडानी ने 5त्र स्पेक्ट्रम के लिए बोली लगाई है। वहीं, ग्रीन एनर्जी सेक्टर में अडानी और अंबानी एक दूसरे के प्रतिद्वंदी बनते दिख रहे हैं। इसी तरह, मीडिया में भी मुकेश अंबानी के बाद अब अडानी समूह ने एंट्री की है।

कितने कर्मचारियों पर असर

मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के बीच एग्रीमेंट की वजह से लाखों कर्मचारियों के लिए रास्ते बंद हो गए हैं। रिलायंस के 3.80 लाख से ज्यादा कर्मचारी हैं। वहीं, अडानी समूह के भी हजारों कर्मचारी मुकेश अंबानी की किसी कंपनी में नौकरी नहीं कर पाएंगे। भारत में बढ़ रहा चलनः वैसे तो भारत में 'नो पोचिंग' एग्रीमेंट का चलन एक प्रथा के रूप में नहीं रहा है लेकिन अब तेजी से प्रचलित हो रहा है। टैलेंट वॉर और सैलरी हाइक की वजह से कंपनियां 'नो पोचिंग' एग्रीमेंट पर जोर दे रही हैं। कर्मचारियों की डिमांड या बढ़ती सैलरी कंपनियों के लिए एक जोखिम है। खासकर उस सेक्टर में जहां टैलेंट कम हैं।

रईसों की सूची में 20वें नंबर पर पहुंचे जुकरबर्ग

नई दिल्ली । मेटा के फाउंडर मार्क जुकरबर्ग ने 2022 की तीसरी तिमाही तक अपनी संपत्ति का लगभग 50 फीसदी खो दिया है। अब उनकी संपत्ति में इतने बड़े अंतर से गिरावट के साथ जुकरबर्ग अब दुनिया के सबसे अमीरों की सूची में 20 वें स्थान पर आ गए हैं। जुकरबर्ग की वर्तमान नेटवर्थ 2014 के बाद से सबसे कम है। जुकरबर्ग की नेट वेल्थ पिछले दो वर्षों में 106 अरब अमरीकी डॉलर से गिरकर 55.9 अरब अमरीकी डॉलर हो गई। मेटा प्रमुख को 71 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है, जो कि उसकी अब तक की कुल संपत्ति का लगभग आधा है। यह सिर्फ जुकरबर्ग नहीं है जिन्होंने अपनी संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा खो दिया है, बल्कि अन्य अरबपतियों के साथ भी ऐसा ही है । दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की कुल संपत्ति में भी 6 अरब डॉलर की गिरावट आई है। बिल और मेलिंडा गेट्स को भी क्रमशः 27 और 26 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। अमेजन के प्रमुख जेफ बेजोस को भी 46 अरब डॉलर का भारी नुकसान हुआ। उनकी नेटवर्थ 14 स्थान नीचे गिर गई. मई 2020 तक जुकरबर्ग 87.8 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ अरबपतियों की सूची में तीसरे स्थान पर थे।

नालको को 2021-22 में रिकॉर्ड 2,952 करोड़ रुपए का लाभ

भुवनेश्वर : (एजेंसी)

नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (नालको) की बिक्री पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में अबतक की सबसे अधिक 14,181 करोड़ रुपए रही। कंपनी का लाभ भी इस दौरान रिकॉर्ड 2,952 करोड़ रुपए रहा। कंपनी के एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि नालको की ओडिशा स्थित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से भी रिकॉर्ड 4,60,000 टन एल्युमीनियम कास्ट मेटल उत्पादन हुआ। उपक्रम ने स्थापना के बाद पहली बार अपने संयंत्र का 100 प्रतिशत क्षमता उपयोग हासिल किया है। नालको के प्रबंध निदेशक श्रीधर पात्रा ने बृहस्पतिवार (22 सितंबर) को कंपनी की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 एल्युमीनियम विनिर्माता के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष रहा। उन्होंने कहा, ''नालको की बिक्री पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में अबतक की सबसे अधिक 14,181 करोड़ रुपए रही। कंपनी का लाभ भी इस दौरान रिकॉर्ड 2,952 करोड़ रुपए रहा। पात्रा ने कहा कि कंपनी कच्चे माल की मुद्रास्फीति के दबाव, कोयला संकट और एलएमई (लंदन मेटल एक्सचेंज) की कीमतों में अनिश्चतता के बावजूद दुनिया में बॉक्साइड और एल्युमिना की सबसे कम लागत वाली उत्पादक होने की स्थिति बनाए रखने में सक्षम रही। बैठक में 130 प्रतिशत यानी 1.50 रुपए प्रति शेयर अंतिम लाभांश को भी मंजूरी दी गई।

मुंबई हवाईअड्डे पर 18 अक्टूबर को छह घंटे बंद रहेंगी उड़ानें

मुंबई । (एजेंसी)

मुंबई हवाईअड्डे पर हवाईपट्टी (रनवे) के रखरखाव कार्यों को लेकर 18 अक्टूबर को उड़ानों का परिचालन छह घंटे बंद रहेगा। मुंबई हवाईअड्डे पर दो इंटरसेक्टिंग रनवे हैं। यहां से प्रतिदिन लगभग 800 उड़ानों का परिचालन होता है। इससे यह दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के बाद दूसरा सबसे व्यस्त हवाईअड्डा है। हवाईअड्डा परिचालक अडाणी समूह ने कहा कि रखरखाव संबंधी कार्यों के लिए उसकी 18 अक्टूबर को पूर्वाह्न 11 बजे से शाम पांच बजे तक दोनों रनवे को बंद करने की योजना है। मुंबई हवाईअड्डा चलाने वाले संयुक्त उद्यम में अडाणी समूह की 74 प्रतिशत हिस्सेदारी है। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा (सीएसएमआई) ने कहा कि सुचारू रूप से रखरखाव कार्यों को पूरा करने के लिए उड़ानों का पुनर्निर्धारण किया गया है।

ईंधन के बढ़ते दाम, ऊंची मुद्रास्फीति से दबाव में है बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था

ढाका : (एजेंसी)

बांग्लादेश में ईंधन की कीमतों में वृद्धि की वजह से भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ गए है जिससे जनता रोष और निराशा में है और देश की अर्थव्यवस्था गंभीर दबाव में आ गई है। वहीं हाल के दिनों में विपक्ष की कटु आलोचना और विरोध प्रदर्शनों की वजह से प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार पर दबाव बढ़ा है। प्रदर्शनों को देखते हुए हसीना ने देश की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मदद मांगी है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि बांग्लादेश की स्थिति श्रीलंका जितनी गंभीर नहीं है।

गौरतलब है कि श्रीलंका में अर्थव्यवस्था गंभीर संकट से गुजर रही है, व्यापक विरोध प्रदर्शनों के कारण राष्ट्रपति को देश छोड़कर भागना पड़ा है। वहीं, लोग भोजन, ईंधन और दवाओं की भीषण कमी से जूझ रहे हैं तथा आवश्यक वस्तुओं के लिए लंबी-लंबी कतारों में खड़े रहने को मजबूर हैं। बांग्लादेश भी महत्वाकांक्षी विकास परियोजनाओं पर अत्यधिक खर्च, भ्रष्टाचार, वंशवाद को लेकर जनता में रोष और व्यापार संतुलन बिगड़ने जैसी समान परेशानियों का सामना कर रहा है। इससे बांग्लादेश की वृद्धि प्रभावित हो रही है। तेल की ऊंची कीमतों के कारण बढ़ती लागत से निपटने के लिए सरकार ने पिछले महीने ईंधन की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी की। इससे अन्य जरूरतों की बढ़ती लागत के कारण जनता ने विरोध शुरू कर दिया। इसके बाद अधिकारियों ने सरकारी डीलरों द्वारा चावल तथा अन्य जरूरी वस्तुओं की कम कीमत पर बिक्री का आदेश दिया। देश के वाणिज्य मंत्री टीपू मुंशी ने कहा कि एक सितंबर से शुरू हुए कार्यक्रम के नवीनतम चरण में लगभग पांच करोड़ लोगों की मदद होगी।

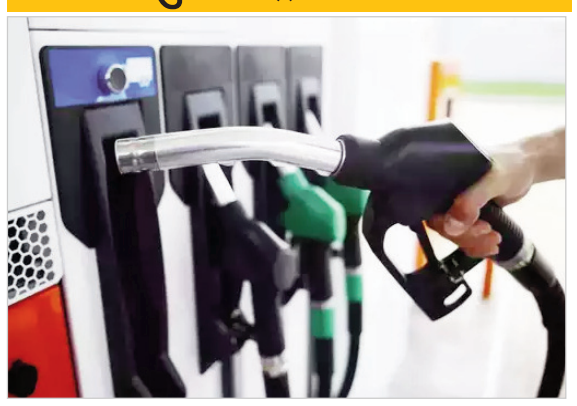

उन्होंने कहा कि सरकार ने कम आय वाले लोगों पर दबाव घटाने के लिए कई उपाय किए हैं। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन में युद्ध की वजह से कई वस्तुओं के दाम बढ़े हैं जबकि कोविड-19 महामारी का असर कम होने और मांग में सुधार की वजह से कीमतें पहले ही बढ़ रही थीं। इस बीच, बांग्लादेश, श्रीलंका और लाओस जैसे कई देशों की मुद्राएं डॉलर के मुकाबले कमजोर हुई हैं जिससे तेल और अन्य वस्तुओं के आयात की लागत बढ़ गई है।

उत्तर प्रदेश में सस्ता, बिहार में महंगा हुआ पेट्रोल और डीजल

नई दिल्ली । (एजेंसी)

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटों के दौरान कोई खास बदलाव नहीं आया है, लेकिन सरकारी तेल कंपनियों की ओर से शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव दिख रहा है। उत्तर प्रदेश : में पेट्रोल-डीजल के खुदरा दाम जहां घट गए हैं, वहीं बिहार में उछाल दिख रहा है। राजधानी दिल्ली सहित देश के चारों महानगरों में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर हैं, लेकिन यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल 14 पैसे गिरकर 96.65 रुपए लीटर और डीजल 14 पैसे गिरकर 89.82 रुपए लीटर पहुंच गया है। दूसरी ओर, बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 88 पैसे महंगा होकर 108.12 रुपए लीटर, जबकि डीजल 82 पैसे चढ़कर 94.86 रुपए लीटर हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.26 रुपए और डीजल 89.45 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपए और डीजल 94.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर है।

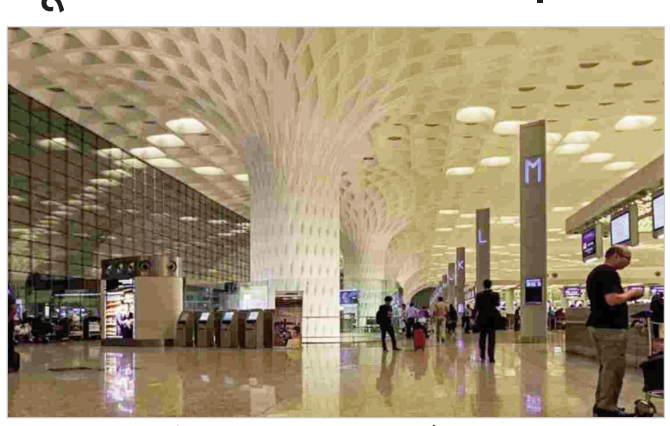

प्रशंसक बोले, सचिन को विश्वकप के लिए शामिल करें

देहरादून । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने जिस प्रकार रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज में बल्लेबाजी की है। उससे प्रशंसक बेहद खुश नजर आये। 50 के करीब पहुंचे सचिन का खेल देखकर प्रशंसकों ने कहा कि उन्हें अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम में शामिल करना चाहिये। प्रशंसकों ने यहां तक कहा कि उन्हें वैकल्पिक खिलाड़ी के तौर पर भी जगह दी जा सकती है। इंडिया लीजेंट्स के कप्तान सचिन ने यहां इंग्लैंड लीजेंट्स के खिलाफ मैच में 20 गेंदों पर ही 40 रन बना दिये थे। इसमें तीन छक्के और इतने ही चौके शामिल थे। इस दौरान सचिन का स्ट्राइक रेट 200 का रहा। बारिश के कारण ये मैच 15-15 ओवरों का कर दिया गया था। इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया लीजेंट्स टीम ने 5 विकेट पर 170 रन बनाये थे। सचिन के अलावा यूसुफ पठान और युवराज सिंह ने भी तेज पारियां खेलीं। यूसुफ ने 11 गेंदों में 27 रन जड़ जबकि युवराज ने 15 गेंदों पर नाबाद 31 रन बनाये। इन दोनों का स्ट्राइक रेट भी 200 से ज्यादा का ही रहा। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो स्पिनर राजेश पवार ने 12 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके बाद 170 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 6 विकेट पर 130 रनों पर ही सिमट गयी।

क्लीन स्वीप करके झूलन को यादगार विदाई देने उतरेगी भारतीय टीम

लंदन । (एजेंसी)

महिला क्रिकेट में तेज गेंदबाजी का पर्याय बन चुकी झूलन गोस्वामी शनिवार को जब लॉर्ड्स में अपने करियर का आखिरी मैच खेलने उतरेंगी तो भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय क्रिकेट श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप करके अपनी इस दिग्गज खिलाड़ी को यादगार विदाई देने का प्रयास करेगी। लॉर्ड्स में क्रिकेट खेलना किसी भी खिलाड़ी का सपना होता है तथा इस मैदान पर शतक जड़ना या पांच विकेट लेना बड़ी उपलब्धि मानी जाती है लेकिन बहुत कम खिलाड़ियों को इस ऐतिहासिक मैदान पर अपने क्रिकेट करियर को अलविदा कहने का मौका मिलता है। सुनील गावस्कर (हालांकि उन्होंने अपना आखिरी प्रथम श्रेणी मैच यहां खेला था) को यह मौका नहीं मिला। सचिन तेंदुलकर हो या ब्रायन लारा या फिर ग्लेन मैकग्रा किसी को भी लॉर्ड्स में अपना अंतिम मैच खेलने का मौका नहीं मिला। यहां तक की लगभग 20 वर्षों तक झूलन की साथी रही मिताली राज को भी क्रिकेट मैदान पर अपने करियर को अलविदा कहने का अवसर नहीं मिला लेकिन भाग्य चक्र देखिए कि गोस्वामी अपना आखिरी मैच लॉर्ड्स में खेलने जा रही है। भारत पहले ही तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर चुका है, लेकिन हरमनप्रीत कौर और उनके साथी क्लीन स्वीप करके झूलन को यादगार विदाई देने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो मैचों में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया और वह अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगा। भारत के लिए सबसे बड़ी फायदे की बात यह रही कि कप्तान हरमनप्रीत अपनी पुरानी लय में लौट चुकी हैं। उन्होंने पहले दो मैचों में नाबाद 74 और नाबाद 143 रन की पारियां खेली। भारत के लिए हालांकि शेफाली की फॉर्म चिंता का विषय है जो पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रही है। हरलीन देओल ने मध्यक्रम में अपनी जगह पक्की कर ली है लेकिन झूलन के संन्यास लेने के बाद तेज गेंदबाजों मेघना सिंह, रेणुका ठाकुर और पूजा वस्त्राकर को अपने खेल में अधिक निखार लाना होगा। जहां तक इंग्लैंड का सवाल है तो कप्तान हीथर नाइट (चोट के कारण) और स्टार ऑलराउंडर नट साइवर (मानसिक स्वास्थ्य कारणों से) की उसे बहुत कमी

खल रही है तथा इससे टीम का संतुलन भी गड़बड़ा गया है। भारत ने पिछली बार इंग्लैंड में वनडे श्रृंखला 1999 में जीती थी जबकि झूलन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण भी नहीं किया था। अब वह अपना 204 वां और आखिरी मैच खेलने के लिए तैयार हैं। उनके नाम पर रिकॉर्ड 353 अंतरराष्ट्रीय विकेट दर्ज हैं।

जोकोविच को ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए अनुमति मिलने की उम्मीदें

लंदन । (एजेंसी)

सर्बियाई टेनिस स्टार नेवाक जोकोविच को उम्मीद है कि वह अगले साल की शुरुआत में होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस में खेल सकेंगे। जोकोविच को कोरोना टीकाकरण नहीं कराने के कारण इस साल हुए ऑस्ट्रेलियाई ओपन में शामिल नहीं किया गया था। उन्हें ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद भी देश से बाहर कर दिया गया था। जोकोविच को इस बार आयोजकों से अच्छे संदेश की उम्मीद है हालांकि अभी तक आयोजकों ने उन्हें वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में शामिल करने को लेकर कोई बात नहीं कही है। जोकोविच ने कहा, ''यह वास्तव में मेरे हाथ में नहीं है। इसलिए मैं सकारात्मक संदेश की उम्मीद कर रहा हूं।'' इस स्टार खिलाड़ी के नाम पर कुल 21 ग्रैंडस्लैम एकल खिताब दर्ज हैं ओर वह दूसरे नंबर पर हैं जबकि स्पेन के राफेल नडाल के नाम सबसे ज्यादा 22 खिताब हैं। जोकोविच ने रिकॉर्ड नौ बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब हासिल किया है। ऑस्ट्रेलिया ने जुलाई से अपने सख्त सीमा संबंधी नियमों में बदलाव कर दिया था। जिससे लोगों को कोविड-19 टीकाकरण का सबूत या कोविड-19 के परीक्षण की नेगेटिव रिपोर्ट पेश नहीं करनी पड़ रही है। जिसके बाद से ही जोकोविच को उम्मीद बन गयी है कि अगले साल वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन खेल पायेंगे।

जनरेशन कप शतरंज - अर्जुन नें बनाई सेमी फाइनल में जगह

नई दिल्ली (निकलेश जैन) भारत के युवा ग्रांड मास्टर अर्जुन एरिगासी नें चैम्पियन चैस टूर के जूलियस बेर जनरेशन कप शतरंज टूर्नामेंट प्ले ऑफ में क्वाटर मुक़ाबला जीतकर सेमी फाइनल में जगह बना ली है ।अर्जुन का मुक़ाबला क्वाटर फाइनल में यूएसए के युवा खिलाड़ी यो क्रिस्टोफर से था और दोनों के बीच एक बेहद कडा मुक़ाबला देखने को मिला । चार रैपिड मुकाबलो के पहले मैच में अर्जुन नें जीतकर शुरुआत की और 1-0 से आगे हो गए पर दूसरे ही मुक़ाबले में क्रिस्टोफर नें जीत दर्ज करते हुए स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया ।

तीसरे मैच में अर्जुन फिर जीते और 2-1 से आगे हो गए पर चौंथे मैच में क्रिस्टोफर की वापसी नें स्कोर 2-2 कर दिया और बात टाईब्रेक पर निर्भर हो गयी पर दो ब्लिट्ज़ मुक़ाबले के टाईब्रेक में अर्जुन 1.5-0.5 से जीत दर्ज करने में सफल रहे और कुल 3.5-2.5 से विजेता बनकर सेमी फाइनल में पहुँच गए और अब उनका सामना वियतनाम के लिम ले से होगा जिन्होने क्वाटर फाइनल में यूएसए के नीमन हंस को 2.5-1.5 से पराजित किया । अन्य मुकाबलो में विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन नें यूएसए के लेवोन अरोनियन को 3-1 से पराजित कर सेमी फाइनल में स्थान बनाया जहां उनके सामने भारत के प्रज्ञानंधा को 3-1 से हराने वाले जर्मनी के विन्सेंट केमर होंगे ।

रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज : युवराज सिंह ने खेला ऋषभ पंत वाला शॉट, लगाया छक्का

(एजेंसी)

रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के तहत इंग्लैंड लीजेंड्स के खिलाफ देहरादून के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मैच में इंडिया लीजेंड्स ने जीत दर्ज की। मैच के बाद से ही युवराज सिंह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की तरह सिक्सर शॉट लगाते हुए नजर आए। युवराज ने 15 गेंदों में नाबाद 31 रन बनाए और टीम को जीत दिलाने में अपना योगदान दिया। इस दौरान उन्होंने 14वें ओवर में गेंदबाजी करने आए स्टुअर्ट मीकर की गेंद पर लेग साइड में बड़ा छक्का गया। इस दौरान वह गिर भी गए। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने इस शॉट की तुलना पंत के शॉट से की है। मैच की बात करें तो इंडिया लीजेंड्स ने 15 ओवरों में पांच विकेट खोकर 170 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया जिसमें कप्तान सचिन तेंदुलकर ने 20 गेंदों में तीन छक्कों की मदद से

सबसे अधिक 40 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड लीजेंड्स के बल्लेबाजों ने लक्ष्य का पीछा करते हुए नियमित अंतराल में अपने विकेट खोते हुए 130 रन ही बना पाए। इंडिया लीजेंड्स का अगला मुकाबला अब 25 सितंबर को बांग्लादेश लीजेंड्स से होगा।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय टीम के खिलाफ मैच में आईपीएल के अनुभवों का लाभ मिला : टिम

नागपुर । ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज टिम डेविड ने कहा है कि आईपीएल में खेलने का लाभ उन्हें भारतीय टीम के खिलाफ पहले टी20 क्रिकेट मैच में मिला था। सिंगापुर मूल के टिम ने कहा कि आईपीएल के दौरान भारत में मिले खेलने के अनुभव के कारण ही वह पहले टी20 के दौरान दबाव का सामना करने में सफल रहे। टिम ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले टी20 में उतरने के साथ ही ऑस्ट्रेलिया की ओर से डेब्यू किया था। उन्होंने कठिन हालातों के बीच भी विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू वेड के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलियाई टीम को भारत के खिलाफ चार विकेट से जीत दिलाई। टिम को टी20 में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर ही रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने साल 2021 में अपनी टीम में जगह दी थी। इसके बाद मुंबई इंडियंस ने उन्हें नीलामी में 8.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। आईपीएल के दूसरे चरण में उन्हें खेलने का अवसर मिला जिसका इस क्रिकेटर ने पूरा लाभ उठाया। इसी अनुभव के कारण वह ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेलते हुए संयमित नजर आये। इस क्रिकेटर के अनुसार मुझे पता था कि हम लक्ष्य का पीछा करने में सफल रहेंगे। इसमें हमें पिच की भी सहायता मिल रही थी।

आजम सबसे तेजी से 8 हजार रनों के ऊपर पहुंचने वाले दूसरे बल्लेबाज बने

(टी20 विश्व कप के पहले लय में लौटे

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में शतक लगाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की है। बाबर ने 110 रनों की इस पारी के साथ ही भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली को भी पीछे छोड़ दिया है। बाबर अब टी20 में सबसे तेज 8 हजार रनों के आंकड़े तक पहुंचने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने 218 पारी में यह मुकाम हासिल किया जबकि विराट ने अपने 8 हजार रन 243 पारियों में पूरे किए थे। वहीं क्रिस गेल इस सूची में पहले नंबर पर हैं। उन्होंने 213 पारियों में ही टी20 में 8 हजार रन पूरे कर लिए थे। आजम ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान के साथ पहले विकेट के लिए 200 रन बनाये। यह एक नया विश्व रिकॉर्ड है। बाबर के 110 रनों के अलावा रिजवान ने 51 गेंद में नाबाद 88 रन बनाकर अपने आलोचकों को करारा झटका दिया। बाबर और रिजवान की इस धमाकेदार बल्लेबाजी से पाक ने यह मैच जीतकर सीरीज में बराबरी हासिल की है। आजम पिछले कुछ समय से फार्म में नहीं थे। एशिया कप में भी वह रन नहीं बना पाये थे पर इंग्लैउं के खिलाफ उनकी शानदार बल्लेबाजी से प्रशंसकों में खुशी की लहर है। ऐसे में टी20 विश्व कप के लिए पाक टीम की बल्लेबाजी मजबूत हुई है।

2023 में पुराने फॉर्मेट में लौटेगा आईपीएल, मुकाबला होम और अवे फॉर्मेट के तहत होगा : गांगुली

मुंबई ।(एजेंसी)

इंडियन प्रीमियर लीग के फॉर्मेट में अगले साल 2023 से बदलाव बड़ा होगा। साल 2023 से आईपीएल कोरोना से पहले के अपने पुराने फॉर्मेट में लौटेगा। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने इसकी पुष्टि कर दी है। 2023 में आईपीएल का 16वां सीजन होम और अवे फॉर्मेट के तहत ही खेला जाएगा। यानी सभी 10 टीमें अपने घर और विरोधी टीम के मैदान पर मैच खेलेंगी। गांगुली ने सभी क्रिकेट एसोसिएशन और स्टेक होल्डर्स को इसकी जानकारी दे दी है। दरअसल कोरोना फैलने की वजह से साल 2020 में आईपीएल का आयोजन बिना दर्शकों के संयुक्त अरब अमीरात के तीन शहरों दुबई, शारजाह और अबुधाबी में हुए थे। वहीं, 2021 में भी आईपीएल का आयोजन भारत में हुआ। लेकिन, चार शहरों दिल्ली, अहमदाबाद, मुंबई और चेन्नई में मुकाबले हुए थे। आईपीएल-2022 के लीग स्टेज के सभी मुकाबले मुंबई और पुणे में हुए थे। इसके अलावा, क्वालिफायर, एलिमिनेटर और फाइनल कोलकाता और अहमदाबाद में खेला गया था। लेकिन, अब कोरोना पर काफी हद तक काबू में है। इसकारण यह लीग घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान के पुराने प्रारूप में खेली जाएगी। गांगुली ने स्टेट एसोसिएशन को भेजे ई-मेल में कहा, आईपीएल को अगले साल से घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान पर मैच खेलने के प्रारूप में आयोजित किया जाएगा। सभी 10 टीमें अपने घरेलू मैच अपने तय स्थल पर खेलेंगी। बीसीसीआई 2020 के बाद पहली बार अपना पूर्ण घरेलू सत्र का आयोजन कर रहा है, जिसमें टीमें घरेलू और विरोधी टीम के मैदान के पुराने प्रारूप में खेल रही हैं। बीसीसीआई इसके अलावा अगले साल के शुरू में बहु प्रतीक्षित महिला आईपीएल का आयोजन करने की भी योजना बना रहा है। महिला आईपीएल का आयोजन दक्षिण अफ्रीका में होने वाले महिला टी20 विश्व कप के बाद मार्च में किया जा सकता है। गांगुली ने 20 सितंबर को भेजे गए संदेश में कहा, 'बीसीसीआई अभी बहुप्रतीक्षित महिला आईपीएल के आयोजन पर काम कर रहा है। इसका पहला सत्र अगले साल के शुरू में आयोजित किया जाएगा।

झूलन ने मिसाल कायम की : गांगुली

मुंबई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह युवाओं के लिए रोल मॉडल हैं। उसने कई नये मानदंड कायम किये हैं। झूलन अभी इंग्लैंड दौरे में अपनी अंतिम सीरीज खेल रही हैं। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के अनुसार भारतीय टीम झूलन को शानदार विदायी देने के लिए तैयार है। झूलन पिछले दो दशक से भारतीय टीम की तेज गेंदबाजी की कमान संभाले हुए है। झूलन ने 20 साल के अपने करियर में 12 टेस्ट में 44 विकेट, 202 एकदिवसीय में 253 विकेट और 68 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 56 विकेट लिए हैं। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान कहा, 'झूलन एक मिसाल हैं। उन्होंने महिला क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं।महिला क्रिकेट विकास को लेकर झूलन के साथ मेरी काफी बात हुई है। इसके अलावा मैंने स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर के साथ भी बातचीत की थी। ' झूलन महिला क्रिकेट में 350 से ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज के रूप में खेल से संन्यास ले रही हैं। वह महिला एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनी हैं। गांगुली ने कहा, 'अगर मेरी बेटी क्रिकेट खेलना चाहती है, तो मैं उसे झूलन की तरह बनने कहूंगा हालांकि वह नहीं खेलती।'

पाक दौरे में सुरक्षा से खुश हैं इंग्लैंड के क्रिकेटर ब्रूक और हेल्स

कराची । पाकिस्तान दौरे पर गयी इंग्लैंड क्रिकेट टीम के लिए बेहद कड़े सुरक्षा इंतजाम किये गये हैं। इस दौरान हर समय खिलाड़ी सुरक्षाकर्मियों की निगरानी में रहे हैं। इंग्लैंड की टीम 17 साल बाद पाक दौरे पर पहुंची है , ऐसे में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) सुरक्षा में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रखना चाहता है। इंग्लैंड टीम के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने इसी को लेकर एक बातचीत के दौरान कहा, जब भी मैं टॉयलेट जाता हूं, कोई मेरा पीछा कर रहा होता है। मैंने पहले कभी ऐसा नहीं देखा है पर यह अच्छा लग रहा है. यहां बहुत सुरक्षित महसूस होता है जिससे हम आराम से खेल रहे हैं। ब्रूक के अलावा मेहमान टीम के बल्लेबाज एलेक्स हेल्स ने भी यही बात कही है। हेल्स की तीन साल बाद टीम में वापसी हुई है। उन्होंने इससे पहले पाकिस्तान सुपर लीग के दौरान भी यहां खेला है। उन्होंने कहा, यह बहुत खास है. मैं यहां कराची में पहले भी भरे स्टेडियम में खेल चुका हूं पर इस बार माहौल अलग है। यह विश्व क्रिकेट में सबसे अच्छे माहौल में से एक है। यह एक ऐसी जगह है, जहां मैंने पिछले दोनो ही टीमों के बीच होने वाली सात मैचों की टी20 सीरीज आभी 1-1 से बराबरी पर है।

टेनिस स्टार रोजर फेडर लीवर कप से पहले संन्यास से जुड़े सवालों का करेंगे खुलासा

लंदन ।

टेनिस के शीर्ष खिलाड़ी स्विस स्टार रोजर फेडरर अपने करियर के अंतिम प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट लीवर कप से पहले मीडिया के साथ प्रेस काफ्रेंस में अपने संन्यास से जुड़े सवालों का खुलासा करेंगे। फेडरर इस समय लंदन में हैं और लीवर कप से पहले अभ्यास कर रहे हैं। यह टूर्नामेंट उनकी प्रबंधन टीम द्वारा आयोजित किया जाता है, जो शुक्रवार से शुरू होगा। इसके पांचवें चरण में टीम यूरोप का सामना टीम विश्व से होगा।

फेडरर के करियर में मुख्य प्रतिद्वंद्वी रहे राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच और एंडी मर्रे भी इसमें हिस्सा लेंगे। फेडरर लीवर कप शुरू होने से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया से मुखातिब होंगे और 1990 से शुरू हुए करियर के समापन के संबंध में सवालों के जवाब देंगे। 41 साल के इस खिलाड़ी ने 2020 तक 20 ग्रैंडस्लैम चैम्पियनशिप और अन्य टूर्नामेंट में 83 खिताब अपने नाम कर लिए थे। ज्ञात हो कि स्विट्जरलैंड के टेनिस स्टार रोजर फेडरर ने बीते गुरुवार को पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने की घोषणा की और कहा कि अगले हफ्ते लंदन में लीवर कप उनका 'विदाई टूर्नामेंट' होगा। यह खबर अमेरिकी ओपन के समाप्त होने के बाद आई है, जिसे 23 बार की मेजर चैम्पियन सेरेना विलियम्स के करियर का अंतिम टूर्नामेंट माना जा रहा है। अपने समय के दो सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के एक साथ खेल को अलविदा कहने से टेनिस में एक युग का समापन हो जाएगा। फेडरर ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिये कहा, 'आप में से बहुत से लोग जानते हैं कि पिछले तीन वर्षों में मैंने चोट और सर्जरी के रूप में कई चुनौतियों का सामना किया है। मैंने पूर्ण रूप से खेल में लौटने के लिए कड़ी मेहनत की है। मैं हालांकि अपने शरीर की क्षमता और सीमा को भी जानता हूं। इसका स्पष्ट संदेश मुझे हाल ही में मिला।' फेडरर ने 41 साल की उम्र में टेनिस को अलविदा कहने का फैसला किया। 20 ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके फेडरर जुलाई 2021 में विम्बलडन में खेलने के बाद कोर्ट पर नहीं उतरे हैं। इसके बाद उनके घुटने की कई सर्जरी हुई, इसे देखते हुए यह खबर हैरान करने वाली नहीं थी। फेडरर इस साल जुलाई में आल इंग्लैंड क्लब में सेंटर कोर्ट के 100 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए थे और तब उन्होंने कहा था कि उन्हें एक और बार वहां खेलने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा था कि वह अक्टूबर में स्विस इंडोर में टूर्नामेंट में खेलेंगे। फेडरर ने ट्विटर पर पोस्ट किया कि अगले हफ्ते लंदन में लीवर कप उनका अंतिम पेशेवर टूर्नामेंट होगा। यह एक टीम स्पर्धा है जिसे उनकी प्रबंधन कंपनी आयोजित करती है। फेडरर का अंतिम मैच सात जुलाई 2021 में था, जब वह सेंटर कोर्ट पर विम्बलडन क्वार्टरफाइनल में हुबर्ट हुर्काज से हार गये थे।

कोच ने दी थी हरमनप्रीत को स्वाभाविक खेल खेलने की सलाह

लंदन । कप्तान हरमनप्रीत कौर के शानदार शतक से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां मेजबान इंग्लैंड को दूसरे एकदिवसीय मैच में 88 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की है। हरमनप्रीत ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 111 गेंद में 143 रन बनाये। इस प्रकार 23 साल के बाद भारतीय टीम ने इंग्लैंड में एकदिवसीय सीरीज जीती है। हरमनप्रीत के अच्छे प्रदर्शन में कोच यदविंदर सिंह सोढ़ी की अहम भूमिका रही। कोच ने कहा कि इससे पहले साल 2017 विश्वकप में हरमनप्रीत ने शानदार बल्लेबाजी कर 171 रन बनाये थे। तब मैंने अपना स्वाभाविक खेल खेलने को

कहा था। हमप्रीत का पिछले कुछ समय में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा पर राष्ट्रमण्डल खेलों से उसने फिर लय हासिल कर ली। कोच के अनुसार तब भी मैंने हरमनप्रीत को सलाह थी की वह टूर्नामेंट में अपनी आक्रामक शैली में खेलें। सोढ़ी ने आगे कहा कि कभी-कभी दबाव खिलाड़ियों को कुछ नया करने पर मजबूर कर देता है। बिग बैश में हरमन स्क्वायर और स्क्वायर ऑफ एरिया में रन बनाने की कोशिश कर रही थी और पैडल स्वीप की तरह शॉट खेल रही थी। मैंने उसे सलाह दी थी कि अपना आक्रामक खेल ही खेलें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुलाब की खेती

भूमिका

गुलाब अपनी उपयोगिताओं के कारण सभी पुष्पों में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। आमतौर पर गुलाब का पौधा ऊंचाई में 4-6फुट का होता है। तने में असमान कांटे लगे होते हैं। गुलाब की 5 पत्तियां मिली हुई होती है। बहुत मात्रा में मिलने वाला गुलाब का फूल गुलाबी रंग का होता है। गुलाब का फल अंडाकार होता है। इसका तना कांटेदार, पत्तियां बारी-बारी से घेरे में होती है। पत्तियों के किनारे दांतेदार होती है। फल मांसल बेरी की तरह होता है जिसे 'रोज हिप' कहते हैं। गुलाब का पुष्पवृन्त कोरिम्बोस, पेनीकुलेट या सोलिटरी होता है।

गुलाब एक भारतीय पुष्प है। पूरे भारत में गुलाब के पौधे पाए जाते हैं। गुलाब का वैज्ञानिक नाम रोजा हाइब्रिडा है। देशी गुलाब लाल रंग का होता है। परन्तु कलम करके कई रंगो के गुलाब उगाए जाते हैं। गुलाब एक ऐसा फूल है, जिसके बारे में सब जानते हैं। गुलाब का फूल दिखने में जितना अधिक सुन्दर होता है। उससे कहीं ज़्यादा उसमें औषधीय गुण होते हैं। यह सबसे पुराना सुगन्धित पुष्प है, जो मनुष्य के द्वारा उगाया जाता था। इसके विभिन्न प्रकार के सुन्दर फूल जो कि आर्कषक, आकृति, विभिन्न आकार, मन को लुभाने वाले रंगों और अपने विभिन्न उपयोगिताओं के कारण एक महत्त्वपूर्ण पुष्प माना जाता है।

गुलाब की उपज भूमि की उर्वरा शक्ति फसल की देखरेख एवं प्रजातियों पर निर्भर करती हैढ्ढ फूलों का गुण हैं खिलना, खिल कर महकना, सुगंध बिखेरना, सौंदर्य देना और अपने देखने वाले को शांति प्रदान करना। फूलों की इस खूबसूरत दुनिया में गुलाब का एक ख़ास स्थान है क्योंकि इसे सौंदर्य, सुगंध और खुशहाली का प्रतीक माना गया है। तभी तो इसे 'पुष्प सम्राट' की संज्ञा दी गयी है और 'गुले-आप', यानी फूलों की रौनक भी कहा गया है। इस की भीनीभीनी मनमोहक सुगंध, सुन्दरता, रंगों की विविध किस्मों के कारण हर प्रकृति प्रेमी इसे अपनाना चाहता है।

भारत में गुलाब हर जगह उगाया जाता है। बागबगीचों, खेतों, पार्कों, सरकारी व निजी इमारतों के अहातों में, यहाँ तक कि घरों की ग्रह-वाटिकाओं की क्यारियों और गमलों में भी गुलाब उगा कर उस का आनंद लिया जाता है। गुलाब पूरे उत्तर भारत में, खासकर राजस्थान में तथा बिहार और मध्य प्रदेश में जनवरी से अप्रैल तक खूब खिलता है। दक्षिण भारत में खासतौर पर बंगलौर में और महारास्ट्र और गुजरात में भी गुलाब की भरपूर खेती होती है।

गुलाब को घर पर गमले में खिड़की की मंजूषा में, रसोई बगीचे की क्यारी में, आँगन में उगाने के लिए पर्याप्त धूप का होना एक आवश्यक शर्त है। गुलाब को दिन में कम से कम छः से आठ घंटे की खुली धूप होना आवश्यक है। गुलाब के पौधों के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त मिट्टी अच्छी होती है। बहुत चिकनी मिट्टी इसके अनुकूल नहीं होती है। मिट्टी का जल निकास और वायुसंचार सुचारु होना चाहिए। भूमि में हल्की नमी बनी रहना चाहिए। गुलाब को विश्वभर में पसंद किया जाता है। इस पर व्यापक अनुसंधान एवं विकास कार्य किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुलाब प्रेमियों के संगठन हैं, जो नई किस्मों के विकास, परिचिन्हन, मानकीकरण आदि करते हैं। इसके अनुसार पौधों की बनावट, ऊँचाई, फूलों के आकार आदि के आधार पर इन्हें निम्न वर्गों में बाँटा गया है।

गुलाब का व्यवसाय

गुलाब की खेती व्यावसायिक स्तर पर करके काफी लाभ कमाया जा सकता है। गुलाब की खेती बहुत पहले से पूरी दुनिया में की जाती हैढ्ढ इसकी खेती पूरे भारतवर्ष में व्यवसायिक रूप से की जाती हैढ्ढ गुलाब के फूल डाली सहित या कट फ्लावर तथा पंखुड़ी फ्लावर दोनों तरह के बाजार में व्यापारिक रूप से पाये जाते हैढ्ढ गलाब की खेती देश व विदेश निर्यात करने के लिए दोनों ही रूप में बहुत महत्वपूर्ण हैढ्ढ गुलाब को कट फ्लावर, गुलाब जल, गुलाब तेल, गुलकंद आदि के लिए उगाया जाता हैढ्ढ गुलाब की खेती मुख्यतः कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्रा, बिहार, पश्चिम बंगाल ,गुजरात, हरियाणा, पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, आंध्रा प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में अधिक की जाती हैढ्ढ

फूल के हाट में गुलाब के गजरे खूब बिकते हैं। गुलाब की पंखुडियों और शक्कर से गुलकन्द बनाया जाता है। गुलाब जल और गुलाब इत्र के कुटीर उद्योग चलते है। उत्तर प्रदेश में कन्नौज, जौनपुर आदि में गुलाब के उत्पाद की उद्योगशाला चलती है। दक्षिण भारत में भी गुलाब के उत्पाद के उद्योग चलते हैं। दक्षिण भारत में गुलाब फूलों का खूब व्यापार होता है। मन्दिरों, मण्डपों, समारोहों, पूजा-स्थलों आदि स्थानों में गुलाब फूलों की भारी खपत होती है। यह अर्थिक लाभ का साधन है। वहाँ हजारों ग्रामीण युवा फूलों को अपनी आय का माध्यम बना लेते हैं।

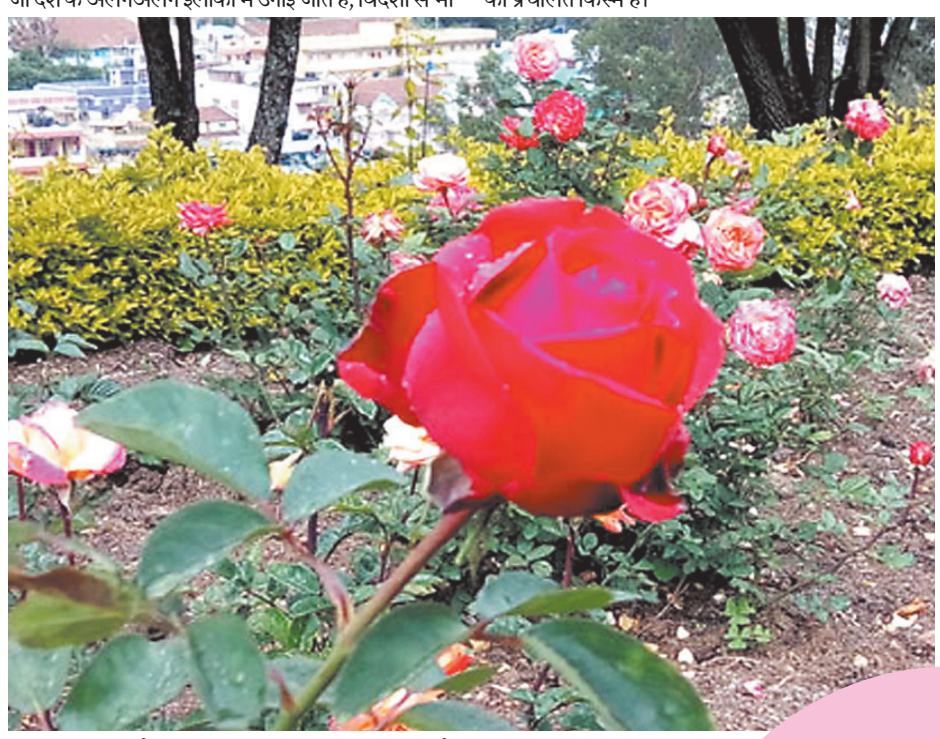

गुलाब की खेती के लिए आवश्यक सावधानियां

बरसात के मौसम में गमलों और क्यारियों में बहुत देर तक पानी भरा न रहने दें।

हर साल, पौधों की छंटाई कर, गमले के ऊपर की 2-3 इंच मिट्टी निकाल कर उस में उतनी ही गोबर की सड़ी खाद भर दें।

हर 2-3 साल के बाद सम्पूर्ण पौधे को मिट्टी सहित नए गमले में ट्रांसफर कर दें। चाहें तो गमले की मिट्टी बदल कर ताजा मिश्रण भरें।

यह प्रक्रिया सितम्बर-अक्टूबर में करें।

गुलाब की किस्में

भारत में उगाई जाने वाली गुलाब की परम्परागत किस्में हैं, जो देश के अलगअलग इलाकों में उगाई जाते हैं, विदेशों से भी

अलगअलग किस्में मांगा कर उन का 'संकरण' (2 किस्मों के बीच क्रास) कर के अनेक नई व उन्नत किस्में तैयार की गयी हैं, जो अब अपने देश में बहुत लोकप्रिय हैं।

गुलाब की विदेशी किस्में जर्मनी, जापान, फ्रास, इंग्लैण्ड, अमेरिका, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से मंगाई गयी हैं। भारतीय गुलाब विशेषज्ञों ने देशी किस्मों में भी नयी विकसित 'संकर' (हाईब्रिड) किस्में जोड़ कर गुलाब की किस्मों की संख्या में वृद्धि की है। इस दिशा में दिल्ली स्थित भारती कृषि अनुसंधान संस्थान का अनुसंधान कार्य ख़ास उल्लेखनीय है। दक्षिण भारत में भारतीय बागबानी अनुसंधान संसथान, बंगलौर ने भी किस्मों के विकास और वृद्धि में भरपूर कार्य किया है। मात्र शौक और सजावट के लिये गुलाब का पौधा जब गमले में उगाया जाए तो किस्मों का चुनाव भी उसी के अनुसार किया जाना चाहिए। व्यावसायिक स्तर पर गुलाब की खेती करनी हो तो वैसी ही किस्मों का चयन करें। इस बारे में प्राय~ सभी बड़ी नर्सरियों में पूरी जानकारी मिल सकती है। दिल्ली में हों तो भारतीय कृषि अनुसंधान पूसा के पुष्प विज्ञान विभाग से उचित जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

वैसे तो विश्व भर में गुलाब की किस्मों की संख्या लगभग 20 हजार से अधिक है, जिन्हें विशेषज्ञों ने विभिन्न वर्गों में बांटा है लेकिन तक्तीकी तौर पर गुलाब के 5 मुख्य वर्ग हैं, जिन का फूलों के रंग, आकार, सुगंध और प्रयोग के अनुसार विभाजन किया गया है, जो इस प्रकार है~ हाईब्रिड टीज, फ्लोरीबंडा, पोलिएन्था वर्ग, लता वर्ग और मिनिएचर वर्ग।

हाईब्रिड टीज वर्ग

यह बड़े आकार के गुलाबों का एक महत्वपूर्ण वर्ग है, जिस में टहनी के ऊपर या सिरे पर एक ही फूल खिलता है, इस वर्ग की अधिकतर किस्में यूरोप और छीन के 'टी' गुलाबों के 'संकर' (क्रास) से तैयार की गयी है, इस वर्ग की भारतीय किस्में हैं = डा.होमी भाभा, चितवन, भीम, चित्रलेखा, चंद्बंदीकली, गुलजार, मिलिंद, मृणालिनी, रक्त्गंधा, सोमा, सुरभी, नूरजहाँ, मदहोश, डा. बैंजमन पाल आदि।

हाइब्रिड टी (एचटी),इस वर्ग के पौधे बड़े, ऊँचे व तेजी से बढ़ने वाले होते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में अर्जुन, जवाहर, रजनी, रक्तगंधा, सिद्धार्थ, सुकन्या आदि हैं। इनके पुष्प शाखा के सिरे पर बड़े आकर्षक लगते हैं। एक शाखा के सिरे पर एक ही फूल आता है।

फ्लोरीबंडा वर्ग

यह हाईब्रिड टीज और पोलिएन्था गुलाबों के संकर (मिलन) से विकसित किये गए गुलाबों का वर्ग है। इस के फूल उपेक्षाकृत छोटे किन्तु गुच्छों में खिलतें हैं और आकार व वजन में बढ़िया होते हैं। इस वर्ग के फूल गृहवाटिका की क्यारियों और गमलों में ज्यादा देखने को मिलते हैं। इस किस्म की विशेषता है कि इन के पौधे कम जगह में ही उगा कर पर्याप्त

फ्लोरीबंडा, इसके पौधे मध्यम लंबाई वाले होते हैं, इनमें फूल भी मध्यम आकार के और कई फूल एक साथ एक ही शाखा पर लगते हैं। इनके फूलों में पंखुड़ियों की संख्या हाइब्रिड टी के फूलों की अपेक्षा कम होती हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में बंजारन, आम्रपाली, ज्वाला, रांगोली, सुषमा आदि हैं।

ग्रेन्डीफ्लोरा

यह उपरोक्त दोनों किस्मों के संयोग से तैयार किया गया है। गुलदानों में इस वर्ग के फूलों को अधिक पसंद किया जाता है। बड़े स्तर पर खेती के लिए इस वर्ग का अधिक उपयोग किया जाता है। गोल्ड स्पॉट, मांटेजुआ, क्वीन एलिजाबेथ इस वर्ग की प्रचलित किस्में हैं।

पॉलिएन्था

इस वर्ग के पौधों को घरेलू बगीचों व गमलों में लगाने के लिए पसंद किया जाता है। क्योंकि इनमें मध्यम आकार के फूल अधिक संख्या में साल में अधिक समय तक आते रहते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में स्वाति, इको, अंजनी आदि हैं।

मिनिएचर वर्ग

इस के पौधे, पट्टियां और फूल सभी छोटे होते हैं। पौधे कलामों द्वार उगे जाते हैं। यह गमलों, पतियों आदि में उगाने की उपयुक्त किस्म है। गृहवाटिका की क्यारियों के चारों ओर बार्डर लगाने के लिये भी उपयुक्त है। गुलाब के फूल खिलने का मौसम (अक्टूबर से मार्च) में इस किस्म के गुलाब खूब खिलते हैं। विभिन्न रंगों

लगते हैं। इन्हें बड़े शहरों में बंगलों, फ्लैटों आदि में छोटे गमलों में लगाया जाना उपयुक्त रहता है, परंतु धूप की आवश्यकता अन्य गुलाबों के समान छः से आठ घंटे आवश्यक है। इस वर्ग की प्रमुख किस्में ड्वार्फ किंग, बेबी डार्लिंग, क्रीकी, रोज मेरिन, सिल्वर टिप्स आदि हैं।

लता वर्ग (क्लैंग्बिंग एंड रैंबलिंग रोज)

इस वर्ग के गुलाब के पौधे लताओं के रोप में बढ़ते हैं और पैराबोला पर या दीवार का सहारा पा कर बढ़ते हैं। ये साल में केवल एक बार खिलते हैं।

ये गुलाब की बेल (लता) वाली किस्में हैं। इन्हें मेहराब या अन्य किसी सहारे के साथ चढ़ाया जा सकता है। इनमें फूल एक से तीन (क्लाइंबर) व गुच्छों (रेम्बलर) में लगते हैं। इस की मुख्य किस्में है सदाबहार, समर स्नो, डा.होमी भाभा, मार्शल नील, दिल्ली वाईट पर्ल आदि।

क्लाइंबर वर्ग की प्रचलित किस्में गोल्डन शावर, कॉकटेल, रायल गोल्ड और रेम्बलर वर्ग की एलवटाइन, एक्सेलसा, डोराथी पार्किंस आदि हैं।

गुलाब में जितने रंगों के फूल देखने को मिलते हैं उतने शायद किसी दूसरे फूल में नहीं। यदि सफ़ेद गुलाब हैं तो पीले, लाल, नारंगीलाल, रक्त्लाल, गुलाबी लेवेंडर रंग के दोरंगे, तींरंगे और यहाँ तक कि अब तो नीले और काले रंग के गुलाब भी पाए जाते है।

गुलाब की खेती के लिए जलवायु और भूमि

गुलाब की खेती उत्तर एवं दक्षिण भारत के मैदानी एवं पहाड़ी क्षेत्रों में जाड़े के दिनों में की जाती हैढ्ढ दिन का तापमान 25 से 30 डिग्री सेंटीग्रेट तथा रात का तापमान 12 से 14 डिग्री सेंटीग्रेट उत्तम माना जाता हैढ्ढ गुलाब की खेती हेतु दोमट मिट्टी तथा अधिक कार्बनिक पदार्थ वाली होनी चाहिएढ्ढ जिसका पी.एच. मान 5.3 से 6.5 तक उपयुक्त माना जाता है।

गुलाब की उन्नतशील प्रजातियां

गुलाब की लगभग 6 प्रकार की प्रजातियां पाई जाती है प्रथम संकर प्रजातियां जिसमे कि क्रिमसन ग्लोरी, मिस्टर लिंकन, लवजान, अफकैनेडी, जवाहर, प्रसिडेंट, राधाकृषणन, फर्स्ट लव , पूजा, सोनिया, गंगा, टाटा सैंटानरी, आर्किड, सुपर स्टार, अमेरिकन हेरिटेज आदि हैढ्ढ दूसरे प्रकार कि पॉलीएन्था इसमे अंजनी, रश्मी, नर्तकी, प्रीत एवं स्वाती आदिढ्ढ तीसरे प्रकार कि फ्लोरीबण्डा जैसी कि बंजारन, देहली प्रिंसेज, डिम्पल, चन्द्रमा, सदाबहार, सोनोरा, नीलाम्बरी, करिश्मा सूर्यकिरण आदिढ्ढ चौथे प्रकार कि गैंडीफलोरा इसमे क्वींस, मांटेजुमा आदिढ्ढ पांचवे प्रकार कि मिनीपेचर ब्यूटी क्रिकेट, रेड फ्लस, पुसकला, बेबीगोल्ड स्टार, सिल्वर टिप्स आदि और अंत में छठवे प्रकार कि लता गुलाब इसमे काक्लेट, ब्लैक बॉय, लैंड मार्क, पिंक मेराडोन, मेरीकलनील आदि पाई जाती है।

गुलाब के खेतों की तैयारी

सुंदरता की दृष्टि से औपचारिक लेआउट करके खेत को क्यारियों में बाँट लेते है क्यारियों की लम्बाई चौड़ाई 5 मीटर लम्बी 2 मीटर चौड़ी रखते हैढ्ढ दो क्यारियों के बीच में आधा मीटर स्थान छोड़ना चाहिएढ्ढ क्यारियों को अप्रैल मई में एक मीटर की गुड़ाई एक मीटर की गहराई तक खोदे और 15 से 20 दिन तक खुला छोड़ देना चाहिएढ्ढ क्यारियों में 30 सेंटीमीटर तक सूखी पत्तियो को डालकर खोदी गयी मिट्टी से क्यारियों को बंद कर देना चाहिए साथ ही गोबर की सड़ी खाद एक महीने पहले क्यारी में डालना चाहिए इसके बाद क्यारियों को पानी से भर देना चाहिए साथ ही दीमक के बचाव के लिए फ़ालीडाल पाउडर या कार्बोफ्यूरान 3 जी. का प्रयोग करेढ्ढ लगभग 10 से 15 दिन बाद ओठ आने पर इन्ही क्यारियों में कतार बनाते हुए पौधे व् लाइन से लाइन की दूरी 30 गुने 60 सेंटीमीटर रखी जाती हैढ्ढ इस दूरी पर पौधे लगाने पर फूलों की डंडी लम्बी व् कटाई करने में आसानी रहती है।

गुलाब की खेती में खाद और उर्वरकों की आवश्यकता

उत्तम कोटि के फूलों की पैदावार लेने के हेतु प्रूनिंग के बाद प्रति पौधा 10 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद मिट्टी में मिलाकर सिंचाई करनी चाहिएढ्ढ खाद देने के एक सप्ताह बाद जब नई कोपल फूटने लगे तो 200 ग्राम नीम की खली 100 ग्राम हड्डी का चूरा तथा रासायनिक खाद का मिश्रण 50 ग्राम प्रति पौधा देना चाहिएढ्ढ मिश्रण का अनुपात एक अनुपात दो अनुपात एक मतलब यूरिया, सुपर फास्फेट, पोटाश का होना चाहिए।

गुलाब की देखभाल

गुलाब के लिए सिंचाई का प्रबंधन उत्तम होना चाहिएढ्ढ आवश्यकतानुसार गर्मी में 5 से 7 दिनों के बाद तथा सर्दी में 10 से 12 दिनों के बाद सिंचाई करते रहना चाहिए। उत्तर प्रदेश के मैदानी भागो में कटाई-छटाई हेतु अक्टूबर का दूसरा सप्ताह सर्वोत्तम होता है लेकिन उस समय वर्षा नहीं होनी चाहिएढ्ढ पौधे में तीन से पांच मुख्य टहनियों को 30 से 40 सेंटीमीटर रखकर कटाई की जाती हैढ्ढ यह ध्यान रखना चाहिए कि जहाँ आँख हो वहाँ से 5 सेंटीमीटर ऊपर से कटाई करनी चाहिएढ्ढ कटे हुए भाग को कवकनाशी दवाओ से जैसे कि कापर आक्सीक्लोराइड, कार्बेन्डाजिम, ब्रोडोमिश्रण या चौबटिया पेस्ट का लेप लगना आवश्यक होता हैढ्ढ

गमलों के लिये मिट्टी का मिश्रण कुछ इस तरह से रखें। 2 भाग खेत की मिटटी, एक भाग खूब सड़ी गोबर की खाद, एक भाग में सूखी हरी पत्ते की खाद (लीफ मॉल्ड) और लकड़ी का बुरादा मिला लें। सम्भव हो तो कुछ मात्रा में हड्डी का चुरा भी मिला लें। इस से पौधों और जड़ों का अच्छा विकास होता है।

याद रहे कि गमलों में पौधों का रखरखाव वैसा ही हो, जैसी कि क्यारियों में होता है, उन की उचित निराईगुडाई में होता है। मसलन, पौधों को पूरी खुराक मिले, उन की उचित निराईगुडाई और सिंचाई हो, कीट व्याधियों से बचाव हो, गमलों के पौधों को मौसम के अनुसार समय-समय पर पानी दिया जाए और उन की कटाईछंटाई भी की जाए। सप्ताह में एक बार गमलों की दिशा भी अवश्य बदलें और उन के तले से पानी निकलने का चित्र भी उचित रूप से खुला रखें। गुलाब में माहू, दीमक एवं सल्क कीट लगते हैढ्ढ माहू तथा सल्क कीट के दिखाई देने पर तुरंत डाई मिथोएट 1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में या मोनोक्रोटोफास 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर 2 -3 छिड़काव करना चाहिएढ्ढ दीमक के नियंत्रण हेतु सिंचाई करनी चाहिए तथा फोरेट 10 जी. 3 से 4 ग्राम या फ़ालीडाल 2त्न धुल 10 से 15 ग्राम प्रति पौधा गुड़ाई करके भूमि में अच्छी तरह मिला देना चाहिए।

गुलाब के फूलों की कटाई

सफ़ेद, लाल, गुलाबी रंग के फूलों की अध् खुली पंखुड़ियों में जब ऊपर की पंखुड़ी नीचे की ओर मुड़ना शुरू हो जायें तब फूल काटना चाहिएढ्ढ फूलों को काटते समय एक या दो पत्तियां टहनी पर छोड़ देना चाहिए जिससे पौधों की वहाँ से बढ़वार होने में कोइ परेशानी न हो सकेढ्ढ फूलों की कटाई करते समय किसी बर्तन में पानी साथ में रखना चाहिए जिससे फूलों को काटकर पानी तुरंत रखा जा सकेढ्ढ बर्तन में पानी कम से कम 10 सेंटीमीटर गहरा अवश्य होना चाहिए जिससे फूलों की डंडी पानी में डूबी रहे पानी में प्रिजर्वेटिव भी मिलाते हैढ्ढ फूलों को कम से कम 3 घंटे पानी में रखने के बाद ग्रेडिंग के लिए निकालना चाहिएढ्ढ यदि ग्रेडिंग देर से करनी हो तो फूलों को 1 से 3 डिग्रीसेंटीग्रेट तापक्रम पर कोल्ड स्टोरेज रखना चाहिए जिससे कि फूलों की गुणवत्ता अच्छी रह सके

गुलाब के पौधे गृहवाटिका में मिटटी के गमलों में आसानी से उगे जा सकते हैं, जो कम से कम 30 सेंटीमीटर घेरे के और उतने ही गहरे हों। मिनिएचर गुलाब के लिये 20 से 25 सेंटीमीटर आकार के गमले पर्याप्त हैं। गमलों को स्वच्छ वातावरण में रखा जाए। जैसे ही नयी कोपलें और शाखाएं अंकुरित होने लगें, उन्हें ही सूरज की रोशनी में रखें। दिन भर इन्हें 4-5 घंटे धूप अवश्य मिलनी चाहिए। हाँ, गरमी की कड़कती धूप में 1-2 घंटे ही पर्याप्त हैं।

जब जहाँ भी चारों ओर गुलाब खिलता है तो सब ओर इस की सुरभि व्याप्त हो जाती है। फरवरी-मार्च में गुलाब अपने पूर्ण यौवन और बहार पर होता है। आओ, इसे अपनी गृहवाटिका में उगायें और इस के सौंदर्य और महक का आनंद लें।

गुलाब की खेती करने के लिए पौध तैयार करना

आमतौर पर जुलाई-अगस्त में मानसून आते ही गुलाब लगाया जाता है। सितम्बर-अक्टूबर में तो यह भरपूर उगाया जाता है। गुलाब लगाने की सम्पूर्ण विधि और प्रक्रिया अपनाई जाए तो यह फूल मार्च तक अपने सौंदर्य, सुगंध और रंगों से न केवल हमें सम्मोहित करता है बल्कि लाभ भी देता है। जंगली गुलाब के ऊपर टी बडिंग द्वारा इसकी पौध तैयार होती हैढ्ढ जंगली गुलाब की कलम जून-जुलाई में क्यारियों में लगभग 15 सेंटीमीटर की दूरी पर लगा दी जाती हैढ्ढ नवम्बर से दिसंबर तक इन कलम में टहनियां निकल आती है इन पर से कांटे चाकू से अलग कर दिए जाते हैढ्ढ जनवरी में अच्छे किस्म के गुलाब से टहनी लेकर टी आकार कालिका निकालकर कर जंगली गुलाब की ऊपर टी में लगाकर पालीथीन से कसकर बाँध देते हैढ्ढ ज्यो-ज्यो तापमान बढता है तभी इनमे टहनी निकल आती हैढ्ढ जुलाई अगस्त में रोपाई के लिए पौध तैयार हो जाती है। पौधशाला से सावधानीपूर्वक पौध खोदकर सितम्बर-अक्टूबर तक उत्तर भारत में पौध की रोपाई करनी चाहिएढ्ढ रोपाई करते समय ध्यान दे कि पिंडी से घास फूस हटाकर भूमि की सतह से 15 सेंटीमीटर की ऊंचाई पर पौधों की रोपाई करनी चाहिएढ्ढ पौध लगाने के बाद तुरंत सिंचाई कर देना चाहिए।

'पहले हिजाब पहनो फिर लेना इंटरव्यू', न्यूज एंकर ने किया मना तो ईरान के राष्ट्रपति ने इंटरव्यू देने से किया इनकार

तेहरान । ड्रेस कोड को लेकर देश में जारी अशांति में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने हिजाब-बहस को एक नया आयाम दिया है। उन्होंने हिजाब पहनने से इनकार करने के लिए अमेरिकी पत्रकार क्रिस्टीन अमनपुर के साथ एक निर्धारित साक्षात्कार रद्द कर दिया। अमेरिकी समाचार मीडिया सीएनएन-प्रतिनिधि क्रिस्टीना को गुरुवार को रईसी के साथ एक विशेष साक्षात्कार के लिए समय दिया गया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लेने के लिए रोज़ी अभी न्यूयॉर्क में हैं। जब क्रिस्टीना नियत समय पर पहुंची तो राष्ट्रपति कार्यालय के अधिकारियों ने उन्हें हिजाब (सिर ढकने) पहनने की 卐सलाह卐 दी। लेकिन अमेरिकी महिला पत्रकार ने सीधे तौर पर इसका खंडन किया और कहा कि उनके धर्म और संस्कृति के अनुसार ऐसे कपड़े पहनने की कोई जरूरत नहीं है। उसके बाद क्रिस्टीन और उसके सहायकों को करीब 40 मिनट तक बैठे रहे। बाद में रईसी के कार्यालय ने साक्षात्कार रद्द करने की जानकारी दी। इस घटना के बारे में ट्विटर पर क्रिस्टीन ने लिखा, 'कोई इंटरव्यू नहीं था, तो हम चले गए। पूरे ईरान में विरोध प्रदर्शन जारी हैं, लोग मर रहे हैं। राष्ट्रपति से बात करना जरूरी था। उन्होंने रईसी के लिए नामित खाली कुर्सी के सामने बैठे इंतजार की तस्वीर भी पोस्ट की। हिजाब न पहनने के 'अपराध' के आरोप में हिरासत में ली गई युवती महसा अमिनी की पुलिस हिरासत में मौत के बाद ईरान के आम लोग विरोध में सड़कों पर उतर आए है। राजधानी तेहरान समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में गुस्सा एक के बाद एक बढ़ता ही जा रहा है। जवाब में सरकार का उत्पीड़न भी शुरू हो गया है। अब तक हिजाब विरोधी प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई झड़पों में मरने वालों की संख्या 30 को पार कर चुकी है। ऐसे में अमेरिकी मीडिया ने ईरानी राष्ट्रपति के हिजाब की 'स्थिति' जानने के लिए उस इंटरव्यू का आयोजन किया. लेकिन रायसी ने बिना इंटरव्यू दिए उस स्थिति को स्पष्ट कर दिया।

डब्ल्यूएचओ प्रमुख घेब्रेयसस ने किया आगाह- कोविड-19 का वायरस अभी समाप्त नहीं हुआ

न्यूयॉर्क । वैश्विक स्वास्थ्य निगरानी संस्था विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख डॉ. टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने कोरोना महामारी को लेकर फिर चेतावनी दी है। अपने पुराने दावे को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि कोविड 19 महामारी खत्म नहीं हुई है, लेकिन अंत दिखाई दे रहा है। घेब्रेयसस ने कहा कि कोविड-19 से निपटने के लिए अभी काफी लंबा रास्ता तय करना है। मालूम हो कि कुछ दिन पहले टेड्रोस ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा था कि कोरोना महामारी को खत्म करने के लिए दुनिया कभी भी बेहतर स्थिति में नहीं थी अंत अब सामने है। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने एक इंटरव्यू में घोषणा की थी कि अमेरिका में 'महामारी खत्म हो गई है'। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए टेड्रोस कम उत्साहित दिखाई दिए। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि अंत को देखने में सक्षम होने का मतलब यह नहीं है कि महामारी खत्म हो गई है। उन्होंने दोहराया कि महामारी को समाप्त करने के लिए दुनिया अब तक की सबसे अच्छी स्थिति में थी। साप्ताहिक मौतों की संख्या में गिरावट जारी थी। जनवरी 2021 में मृत्यु दर चरम पर था। अभ उसका सिर्फ 10 प्रतिशत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक डॉ टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने बताया कि दुनिया की दो-तिहाई आबादी को कोविड वैक्सिन लगाया गया है। इसमें तीन-चौथाई स्वास्थ्य कार्यकर्ता और बुजुर्ग लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना की वजह से दुनिया ने ढाई साल अंधेरी सुरंग में बिताए हैं। अब हमने उस सुरंग के अंत में प्रकाश को देखना शुरू किया है। चीफ टेड्रोस का कहना है कि कोरोना से लड़ाई में अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है।

चीन में दो पूर्व सुरक्षा अधिकारियों को भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग को लेकर मौत की सजा

बीजिंग। चीन में एक पूर्व न्याय मंत्री सहित दो वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों को भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग को लेकर मौत की सजा सुनाई गई लेकिन उनकी सजा दो साल के लिए निलंबित की गई है। इन दोनों को यह सजा ऐसे समय सुनायी गई है जब चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के भ्रष्टाचार रोधी अभियान ने गति पकड़ी है। चीन में अगले महीने कम्युनिस्ट पार्टी कांग्रेस का आयोजन होने वाला है जिसमें शी के रिकार्ड तीसरे कार्यकाल को अनुमोदन दिये जाने की उम्मीद है। चीन के सरकारी मीडिया ने यहां बताया कि चीन के पूर्व न्याय मंत्री फू झेंगहुआ को बृहस्पतिवार को उत्तर-पूर्व चीन के जिलिन प्रांत में इंटरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट ऑफ चांगचुन द्वारा 1.73 करोड़ अमरीकी डालर के भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के लिए मौत की सजा सुनाई गई। अदालत ने हालांकि उनकी सजा दो साल के लिए निलंबित कर दी। इसके कुछ घंटे बाद उसी अदालत ने जिआंगसू के पूर्व अधिकारी वांग लाइक को भी इसी तरह की सजा सुनायी गई और उनकी सजा भी दो साल के लिए निलंबित कर दी। सरकारी पीपुल्स डेली आनलाइन ने यहां बताया कि उन्हें यह सजा रिश्वतखोरी, आपराधिक गिरोहों से साठगांठ और पहचान पत्र के फर्जीवाड़े के लिए सुनाई गई है। पीपुल्स डेली ऑनलाइन की खबर के अनुसार, वांग जिआंगसु प्रांतीय समिति कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के पूर्व सदस्य और सीपीसी जिआंगसु प्रांतीय समिति की राजनीति और कानून समिति के पूर्व सचिव हैं। चीन में दोषियों में निलंबित मौत की सजा सुनाने का प्रावधान है और ऐसी सजा अपराध की गंभीरता को दर्शाने के लिए सुनायी जाती है। ऐसी सजा को बाद में आजीवन कारावास में बदल दिये जाने की संभावना होती है।

इमरान खान ने महिला न्यायाधीश के खिलाफ विवादित टिप्पणी के लिए माफी मांगी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक महिला न्यायाधीश के खिलाफ अपनी विवादित टिप्पणी के लिए बृहस्पतिवार को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में माफी मांग ली और वादा किया कि वह भविष्य में दोबारा ऐसा नहीं करेंगे। खान ने मुख्य न्यायाधीश अतहर मिनल्लाह की अगुवाई पीठ से कहा, 'अगर मैंने हद लांघी है तो मुझे खेद है। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश मिनल्लाह की अगुवाई वाली बड़ी पीठ कर रही थी जिसमें न्यायमूर्ति मोहसिन अख्तर कियानी, न्यायमूर्ति मियां गुल हसन औरंगज़ेब, न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीर और न्यायमूर्ति बाबर सत्तार शामिल हैं। ऐसी संभावना थी कि उच्च न्यायालय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ज़ेबा चौधरी के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी करने के लिए 69 वर्षीय खान को अवमानना की कार्यवाही में आधिकारिक तौर पर अभ्यारोपित कर सकता है। खान कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच अदालत में पेश हुए। खान की ओर से अपनी विवादास्पद टिप्पणी के लिए न्यायाधीश चौधरी से माफी मांगने की इच्छा व्यक्त करने के बाद, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही स्थगित कर दी।

ईरान के एक दर्जन शहरों में फैला विरोध प्रदर्शन, हिंसा में 9 लोगों की मौत

तेहरान । हिजाब नियमों का उल्लंघन करने वाली 22 वर्षीय महिला की पुलिस हिरासत में मौत के बाद प्रदर्शनकारियों और ईरानी सुरक्षाबलों के बीच झड़पों में अब तक कम से कम नौ व्यक्तियों की मौत हो चुकी है। ईरान में जारी अशांति हाल के कई वर्षों में सबसे खराब स्थिति में जा पहुंची है। विरोध प्रदर्शन का सिलसिला फिलहाल थमता नहीं दिखाई दे रहा है। नाराज प्रदर्शनकारी एक दर्जन शहरों में सुरक्षा और अर्धसैनिक बलों से संघर्ष कर रहे हैं। ईरान के सरकारी टेलीविजन के एक प्रस्तोता ने दावा किया कि इन प्रदर्शनों में अब तक 17 लोग मारे जा चुके हैं, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया है कि उनकी जानकारी का क्या स्रोत है। विरोध पर सरकार की कार्रवाई की जानकारी अन्य लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रदर्शनकारियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप पर रोक लगाई गई है। ऐसा प्रतीत होता है कि अधिकारियों ने इन घटनाओं को बाहरी दुनिया तक पहुंचने से रोकने के लिए यह कदम उठाया है, जबकि सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि सरकार अशांति के समय हमेशा इस तरह के कदम उठाती है।

ईरान में प्रदर्शनों का यह सिलसिला ईरान की धर्माचार पुलिस द्वारा सख्ती से लागू किए गए ड्रेस कोड के उल्लंघन के मामले में लिए गिरफ्तार युवती महसा अमिनी की उत्पीड़न के बाद मौत के बाद शुरू हुआ और बाद में बड़े आंदोलन के रूप में फैल गया। महसा अमिनी की मौत की अमेरिका, यूरोपीय संघ और संयुक्त राष्ट्र ने कड़ी निंदा की है।

दक्षिण कोरिया के बूसान में अमेरिकी नौसेना का यद्धपोत यूनाल्ड रीगन डेरा डाले हुए।

पुतिन के रिजर्व फोर्स तैनाती के आदेश के बाद रूस में युवा बोले- 'हम बेमतलब की जंग में मरना नहीं चाहते'

येरेवान । रूस सात महीने से अधिक समय से यूक्रेन पर हमला कर रहा है। युद्ध के अनिर्णय के चलते पुतिन ने 3 लाख रिजर्व फोर्स की तैनाती के आदेश दिए तो रूस में अफरा-तफरी का माहौल है। यहां से कई युवा बिना कोई सामान लिए अलग-अलग जगहों पर भाग गए हैं। इन्हीं में से एक युवा दमित्री अरमेनिया पहुंचे। वह महज एक छोटा सा बैग लेकर पत्नी और बच्चों को छोड़कर यहां भाग आए। यह युवा यूक्रेन से जंग नहीं लड़ना चाहते। दमित्री ने कहा- 'मैं जंग के लिए नहीं जाना चाहता। मैं इस अर्थहीन युद्ध में मरना नहीं चाहता। यह भाई का कत्ल करने जैसा है।' दरअसल, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आदेश दिया है कि युवाओं को सेना में मिलिट्री सेवा देने के लिए इकट्ठा किया जाए। इसके विरोध में कई युवाओं ने देश छोड़ दिया है। वहां युवाओं के बीच भगदड़ मच गई है। 44 साल के सर्गेई अपने टीनएजर बेटे के साथ आए हैं। उन्होंने कहा कि रूस की परिस्थिति की वजह से हर शख्स वहां से निकलना चाहता है। अरमेनिया एयरपोर्ट पर सर्गेई बदहवास हालत में थे। उन्होंने भगदड़ की बात की पुष्टि तो कर दी, लेकिन अपना पूरा नाम बताने से मना कर दिया। उनके 17 साल के बेटे निकोलई ने कहा कि हमने सरकारी आदेश का इंतजार नहीं किया। मैं डरा हुआ नहीं हूं, लेकिन मुझे अनिश्चितता का आभास हो रहा है। येरेवान की एक ही फ्लाइट में पहुंचे कई रूसी नागरिकों का करीब-करीब यही कहना था। 39 साल के एलेक्सेई ने कहा कि 21वीं सदी में जंग बेतुकी बात है। उन्होंने कहा कि अब वे शायद ही कभी रूस लौट सकें। यह सब परिस्थितियों पर निर्भर करेगा।

जेलेंस्की का सवाल, किस वजह से जापान, भारत, यूक्रेन सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य नहीं

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने पूछा कि आखिर क्या वजह है कि भारत, जापान, ब्राजील और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य नहीं हैं। जेलेंस्की ने कहा कि 'वह दिन जरूर आएगा जब इसका हल निकलेगा।' यूक्रेन के राष्ट्रपति ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में वैश्विक नेताओं की आम बहस के दौरान अपने पूर्व-रिकॉर्डेड संदेश में कहा, 'संयुक्त राष्ट्र में सुधार के लिहाज से बहुत सारी बातें की गयीं। यह सब कैसे निपटेगा? कोई परिणाम नहीं निकला।' 'हमारे शांति सूत्र को ध्यान से देखने पर आप पाएंगे कि इसका कार्यान्वयन पहले से ही संयुक्त राष्ट्र के वास्तविक सुधार के तहत है। हमारा सूत्र सार्वभौमिक है, और दुनिया को उत्तर से लेकर दक्षिणी छोर तक जोड़ता है। यह दुनिया के उन लोगों के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने को प्रोत्साहित करता है जिन्हें कभी सुना नहीं गया।'

उन्होंने कहा, यह बात केवल यूक्रेन कह रहा है। क्या आपने कभी रूस से ऐसे शब्द सुने हैं? जबकि वह सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है। किस वजह से? आखिर क्या कारण है कि जापान, ब्राजील, तुर्किये, भारत, जर्मनी या यूक्रेन इसके सदस्य नहीं हैं। वह दिन जरूर आएगा जब यह मसला हल होगा।' भारत संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद में तत्काल लंबित सुधारों पर जोर देने के प्रयासों में सबसे आगे रहा है। भारत ने खुद भी इस बात पर बल दिया है कि वह सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य के रूप में स्थान हासिल करने का हकदार है।

वर्तमान में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी सदस्य और 10 गैर-स्थायी सदस्य देश शामिल हैं, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा दो साल के कार्यकाल के लिए चुना जाता है। पांच स्थायी सदस्य रूस, ब्रिटेन, चीन, फ्रांस और संयुक्त राज्य अमेरिका हैं। इन देशों के पास किसी भी मूल प्रस्ताव को वीटो (रोक लगाने) करने की शक्ति है। हाल ही में स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने की मांग तेज हो रही है।

जयशंकर ने कहा, भारत सभी युद्धों, वार्ताओं और कूटनीति को तत्काल समाप्त करने का पक्षधर है

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)।

भारत ने बृहस्पतिवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से कहा कि वक्त की जरूरत है कि यूक्रेन में युद्ध को समाप्त किया जाए और बातचीत की ओर लौटा जाए और ध्यान दिलाया कि परमाणु मुद्दा विशेषतौर चिंता वाली बात है। भारत ने रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से कहा था कि यह दौर युद्ध का दौर नहीं हो सकता है। यूक्रेन 'दंड माफी के खिलाफ लड़ाई' विषय पर 15 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र परिषद में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, ''यूक्रेन युद्ध की दिशा पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए गभीर चिंता का विषय है। भविष्य के अनुमान और ज्यादा परेशान करने वाले दिख रहे हैं। परमाणु मुद्दा खास तौर पर चिंताजनक है।'' यूरोप और विदेश मामलों की फ्रांसीसी मंत्री कैथरीन कोलोना की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को यह चर्चा हुई। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र मे भाग लेने के लिए दुनिया भर के नेता संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एकत्र हैं। परिषद की इस चर्चा को संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस, अमेरिका के विदेश मंत्री एटनी ब्लिंकेन, चीन के विदेश मंत्री वांग यि, रूस के विदेश मंत्री सेरगेई लावरोव और ब्रिटेन के विदेश मंत्री, राष्ट्रमंडल और विकास मामलों के मंत्री, जेम्स क्लेवेर्ली और सुरक्षा परिषद के अन्य सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों ने संबोधित किया। जयशंकर ने परिषद को बताया कि वैश्विकरण के इस दौर में युद्ध का प्रभाव सुदूर क्षेत्रों में भी महसूस होने लगा है। उन्होंने कहा, ''हम सभी ने कीमतों में वृद्धि, खाद्यान्न, उर्वरक और ईधन की कमी महसूस करनी शुरू कर दी है।'' उन्होंने कहा कि खास तौर से विश्व के दक्षिणी हिस्से का ज्यादा परेशानी हो रही है।

लिज़ ट्रस ने कहा कि ब्रिटेन के भारत, इज़राइल, इंडोनेशिया और दक्षिण अफ्रीका के साथ मजबूत संबंध हैं

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन की प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र में वैश्विक नेताओं से कहा कि उनका देश भारत, इजराइल, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका जैसे लोकतंत्रों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत कर रहा है। ट्रस ने बुधवार को कहा, ''इसलिए, हम दुनिया भर में नयी साझेदारियां स्थापित कर रहे हैं। हम नाटो और संयुक्त अभियान बल के माध्यम से यूरोप और उसके बाहर अपने गहरे सुरक्षा गठबंधनों को मजबूत कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''हम भारत, इजराइल, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका जैसे लोकतंत्रों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि ब्रिटेन हिंद-प्रशांत और खाड़ी क्षेत्र में अपने मित्र देशों के साथ नए सुरक्षा संबंध स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन ने स्वतंत्र और निष्पक्ष व्यापार में नेतृत्व दिखाते हुए ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान और कई अन्य लोगों के साथ व्यापार समझौते किए हैं। इसके अलावा ब्रिटेन 'ट्रांस-पैसिफिक साझेदारी' में शामिल होने की ''प्रक्रिया में हैं''।

बिलावल भुट्टो ने उठाया कश्मीर मुद्दा,

भारत बोला- अल्पसंख्यकों के अधिकारों के दमन का लंबा रहा है पाकिस्तानी इतिहास

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में कहा कि 'अल्पसंख्यकों के अधिकारों का घोर उल्लंघन' जैसे शब्दों का प्रयोग करना गलत है जिससे पाकिस्तान का कभी परिचय भी नहीं रहा है। संयुक्त राष्ट्र में संयुक्त सचिव श्रीनिवास गोटरू ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी की टिप्पणी के जवाब में यह बयान दिया। भुट्टो ने आरोप लगाया था कि भारत एक 'हिंदू वर्चस्ववादी राज्य' में बदल रहा है। गोटरू ने कहा कि यह विडंबना है कि पाकिस्तान अल्पसंख्यकों के अधिकारों की बात कर रहा है।

राजनयिक ने कहा कि एक ऐसे देश के लिए जिसने अपने शर्मनाक रिकॉर्ड को छिपाने के लिए अपना डेटा प्रकाशित करना बंद कर दिया है, यह आश्चर्यजनक है कि उन्होंने इस विषय को भी उठाया है।' 'अल्पसंख्यकों के अधिकारों का सबसे गंभीर उल्लंघन करने का इसका एक लंबा इतिहास रहा है। भारत ने कहा कि पाकिस्तान ने अपने अल्पसंख्यकों को 'खत्म' कर दिया है और देश में कुछ ऐसे समुदाय विलुप्त हो गए हैं।

गोटरू ने कहा कि आज भी पाकिस्तान सिखों, हिंदुओं, ईसाइयों और अहमदियों के अधिकारों का गंभीर उल्लंघन कर रहा है, 'हजारों महिलाओं और बच्चों, विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदायों की लड़कियों को पाकिस्तान के भीतर अपहरण, जबरन विवाह और धर्मांतरण के अधीन किया गया है। उन्होंने दोहराया कि जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्र शासित प्रदेश 'भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा थे, हैं और हमेशा रहेंगे।

गेट्स फाउंडेशन ने गरीबी-असमानता दूर करने के लिए 1.27 अरब डॉलर देने का ऐलान किया

लंदन। (एजेंसी)।

बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने गरीबी और सामाजिक असमानता दूर करने के लिए 1.27 अरब अमेरिकी डॉलर के नये आर्थिक सहयोग का ऐलान किया है। यहां दो-दिवसीय कार्यक्रम के अंत में विश्वभर में बदलाव लाने वाले 300 से अधिक युवाओं ने हिस्सा लिया। वित्तीय प्रतिबद्धता संबंधी यह घोषणा फाउंडेशन की सालाना 'गोलकीपर्स' रिपोर्ट के एक हफ्ते बाद की गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य के लगभग सभी सूचकांकों को वर्ष 2030 तक प्राप्त करना मुश्किल है।

इन चुनौतियों के बावजूद, रिपोर्ट में गरीबी, असमानता और जलवायु परिवर्तन समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर दीर्घावधि समाधान और नवोन्मेषी दृष्टिकोण अपनाने पर ध्यान देते हुए प्रगति को तेज करने के अवसरों को रेखांकित किया गया है। फाउंडेशन की ओर से मंगलवार को कहा गया कि वित्तीय सहायता से विभिन्न वैश्विक संकट दूर होंगे, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य (वैश्विक लक्ष्य) को प्राप्त करने की दिशा में पहले ही हासिल की गई प्रगति को उलट दिया है।

दो दिवसीय गोलकीपर्स कार्यक्रम का आयोजन न्यूयॉर्क स्थित लिंकन केंद्र में संयोगवश संरा महासभा के वार्षिक सत्र के साथ ही हुआ। गेट्स फाउंडेशन के सीईओ मार्क सुजमैन ने कहा, ''इस हफ्ते ने हमारे समक्ष उपस्थित चुनौतियों की तात्कालिकता और जीवन को बचाने तथा इसमें सुधार के लिए स्थायी समाधान के वादे को रेखांकित किया है।'' गोलकीपर कार्यक्रम का समापन मंगलवार को हुआ, जिसमें वैश्विक नेताओं ने वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मौजूदा और भावी प्रयासों को लेकर चर्चा की।

बारबाडोस के प्रधानमंत्री मिया मोटले, स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज, बिल गेट्स, मेलिंडा फ्रेंच गेट्स समेत विश्वभर से 300 से अधिक युवा परिवर्तनकारियों, अन्य उभरते और स्थापित नेताओं ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। फाउंडेशन की सह प्रमुख मेलिंडा फ्रेंच गेट्स ने कहा, '' वर्ष 2019 के बाद से चीजें बहुत बदल गई हैं, लेकिन एक चीज नहीं बदली है। हम वैश्विक लक्ष्यों की दिशा में प्रगति नहीं कर सकते जब तक कि अनुभवी लोगों को शामिल नहीं किया जाता।

मुझे अपने गोलकीपर पुरस्कार विजेताओं और दुनिया के सभी हिस्सों के भागीदारों पर गर्व है, जो अगली पीढ़ी के नेताओं को तैयार करने के लिए काम कर रहे हैं।'' सहायता राशि एचआईवी, तपेदिक और मलेरिया से दो करोड़ और लोगों को बचाने के 'वैश्विक कोष' के लक्ष्य, भावी महामारियों की रोकथाम के लिए लचीली स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण तथा वर्ष 2030 तक इन बीमारियों के अंत के लिए विश्व को फिर से पटरी पर लाने के काम पर खर्च की जाएगी।

गेट्स फाउंडेशन ने वैश्विक कोष (ग्लोबल फंड) में अब तक की सबसे बड़ी वित्तीय प्रतिबद्धता के तहत 91.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि के योगदान

की घोषणा की है। फाउंडेशन के सह प्रमुख बिल गेट्स ने कहा, '' स्वास्थ्य कार्यक्रम में जब सरकार, निजी क्षेत्र और स्थानीय समुदाय मिलकर काम करते हैं, तो हम बड़ी प्रगति देखते हैं।''

सार समाचार

उत्तर प्रदेश: हिंदू महिला को ईसाई बनाने का प्रयास, मिशनरी स्कूल की दो शिक्षिकाएं हिरासत में लिया

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के नखासा थाना क्षेत्र में एक हिंदू महिला को कथित तौर पर ईसाई बनाने की कोशिश करने के आरोप में शुक्रवार को एक मिशनरी स्कूल की दो शिक्षिकाओं को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्रा ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि नखासा थाना क्षेत्र के सिरसा नाल गांव में पिछली 21 सितंबर को मिशनरी से संचालित सीडीएम जूनियर हाईस्कूल की शिक्षिकाओं-सिस्टर रोज मेरी और सिस्टर डीसा ने एक हिंदू परिवार के धर्मांतरण की कोशिश की। इस दौरान हिंदू देवी-देवताओं के चित्र को जलाया गया। उन्होंने बताया कि धर्मांतरण की कोशिश का आरोप लगाने वाली सुनीता नामक महिला का पति ईसाई है। मिश्रा के मुताबिक, इस मामले में सुनीता की तहरीर पर मिशनरी स्कूल की सिस्टर रोज मेरी और सिस्टर डीसा के खिलाफ बृहस्पतिवार को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और अवैध धर्मांतरण रोधी कानून की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें शुक्रवार को हिरासत में ले लिया गया।

मणिपुर में महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके

इंफाल। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में भूकंप महसूस किए गए तेज झटको के बाद लोग दहशत में आ गए। राज्य के मोइरांग से 100 किलोमीटर साउथ ईस्ट में आज शुक्रवार सुबह 10.2 मिनट पर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.5 रही। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने यह जानकारी दी है। बताया जा रहा है कि इस भूकंप के तेज झटके से लोग सहम गए और घरों से बाहर निकलकर सड़क की ओर दौड़े। फिलहाल, इस भूकंप में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। स्थानीय लोगों की मानें तो उन्होंने स्पष्ट रूप से भूकंप के झटके को महसूस किया और घर में रखीं कई चीजें हिलने लगीं।

मुंबई में लंपी रोग का पहला संदिग्ध मामला सामने आया

मुंबई। मुंबई के खार उपनगर में लंपी रोग का एक संदिग्ध मामला सामने आया है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। हालांकि, अब तक, महानगर में किसी मवेशी में लंपी वायरस संक्रमण का कोई पुष्ट मामला सामने नहीं आया था। अधिकारी ने कहा, उन्होंने संक्रमण के लक्षण दिखाने वाले मवेशियों के नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजे हैं और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। निकाय अधिकारी ने कहा, रिपोर्ट के बृहस्पतिवार रात तक प्राप्त होने की संभावना जताई जा रही है।
हालांकि, उन्होंने मवेशी के बारे में अन्य जानकारी साझा नहीं की, सिवाय इसके कि यह पश्चिमी उपनगर के खार में पाया गया। इस बीच, बीएमसी ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''मुंबई में 24,388 भैंसों सहित 27,500 से अधिक मवेशी हैं। इनमें से 2,203 गायों को पहले ही लंपी संक्रमण के खिलाफ 'गोट पॉक्स' टीका दिया जा चुका है। शेष मवेशियों का अगले सप्ताह तक टीकाकरण किया जाएगा।'' संक्रमण के प्रसार पर लगाम लगाने के उद्देश्य से उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी देते हुए निकाय अधिकारी ने कहा, पहले ही मुंबई में मवेशियों का सर्वेक्षण शुरू किया जा चुका है और 'तबेलों' और 'गौशालाओं' में कीटनाशकों के छिड़काव जैसे उपाय किए गये हैं। निकाय अधिकारी ने कहा कि एहतियात के तौर पर बीएमसी ने नौ सितंबर से शहर में बूचड़खानों के संचालन पर रोक लगा दी है। गौरतलब है कि लंपी एक संक्रामक वायरस है जो मवेशियों के बीच मच्छरों, मक्खियों, जूं और ततैया के सीधे संपर्क के माध्यम से फैलता है। इसके अलावा दूषित भोजन और पानी के सेवन से भी यह फैलता है। इस रोग के कारण मवेशियों को बुखार और शरीर में गांठें पड़ जाती हैं। यह घातक भी हो सकता है।

सर्वप्रित मोक्ष अमावस्या 25 को

नई दिल्ली। सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या का दिन पूर्वजों के निमित्त अनुष्ठान पूजा और भगवान यम का आशीर्वाद पाने के लिए होती है। पूर्वजों की आत्माओं को मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। पूर्वज प्रसन्न होकर अपने परिवार को सुख शांति समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सर्वप्रित अमावस्या पूर्वजों के तर्पण का आखिरी दिन होता है। जो इस साल 25 सितंबर रविवार को पड़ रहा है। प्रित पक्ष पूर्णिमा से शुरू होकर अमावस्या पर समाप्त होता है। इस दिन की अनुष्ठान पूजा, भगवान यम का आशीर्वाद दिलाती है। पूर्वजों के लिए किए गए अनुष्ठान से उनका परिवार अपने जीवन में सभी प्रकार के पापों और बाधाओं से मुक्त हो जाता है। मान्यता है कि तर्पण पूर्वजों की आत्माओं की मुक्ति में मदद करता है। यह पूजा मोक्ष दायक भी है। पूर्वज अपने बच्चों को श्रम द्धी और लंबे जीवन का आशीर्वाद देते हैं। सर्वप्रित अमावस्या के बाद पित्र पक्ष के समाप्त होने पर मां नवरात्रि प्रारंभ हो जाती है। देशभर में पूर्वजों के लिए इस तिथि का बहुत बड़ा महत्व है.

संघ के पथ संचालन को तमिलनाडु हाईकोर्ट ही हरी झंडी

चेन्नई । तमिलनाडु हाईकोर्ट ने एमके स्टालिन सरकार को आदेश दिया है। कि वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को राज्य के 50 स्थानों पर 2 अक्टूबर को पथ संचालन की अनुमति दे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले कई वर्षों से तमिलनाडु में पथ संचालन के लिए प्रयास करता रहा है। लेकिन सरकार द्वारा उसे अनुमति नहीं दी जा रही थी। इस संबंध में मद्रास हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। जिस पर मद्रास हाईकोर्ट ने सरकार को आदेशित किया है, कि 28 सितंबर तक संघ के आवेदन पर अनुमति प्रदान करे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने 2 अक्टूबर को प्रदेशभर में म्यूजिकल बैंड के साथ पथ संचालन की अनुमति सरकार से मांगी है। उल्लेखनीय है पिछले कई वर्षों से दक्षिण भारत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने बडा विस्तार किया है। कर्नाटक के बाद अब तमिलनाडु मैं संघ हिंदुत्व की विचारधारा एवं राष्ट्रीयता के मुद्दे पर तमिलनाडु मैं सक्रिय है। हाईकोर्ट से उसे बड़ी जीत मिली है। यह अलग बात है, कि संघ का सामाजिक संगठन के रूप में पंजीयन और उसकी वैधानिक भूमिका को लेकर संघ मुख्यालय नागपुर पर सवालिया निशान लगाए जा रहे हैं।

भाजपा ने 5 राज्यों के चुनाव में खर्च किए थे 340 करोड़ रुपये

नई दिल्ली । भाजपा ने इसी साल फरवरी-मार्च में हुए देश के 5 राज्यों के चुनाव में 340 करोड़ रुपये की बड़ी रकम खर्च की थी। आयोग की ओर से पार्टी को दिए गए खर्च के ब्योरे में यह जानकारी दी गई है। इसके अलावा दूसरे राष्ट्रीय दल कांग्रेस ने इन चुनावों में 194 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम खर्च की थी। चुनाव आयोग को दोनों दलों की ओर से 5 राज्यों के चुनाव में खर्च की गई रकम की डिटेल दी गई थी, जिसे अब आयोग ने सार्वजनिक किया है। भाजपा की ओर से दिए गए ब्योरे के मुताबिक उसने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर, गोवा और पंजाब विधानसभा चुनावों में प्रचार अभियान पर 340 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए। इसके मुताबिक भाजपा ने उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक 221 करोड़ रुपये खर्च किए। इसके अलावा मणिपुर में 23 करोड़, उत्तराखंड में 43.67 करोड़, पंजाब में 36 करोड़ से अधिक और गोवा में 19 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए थे। कांग्रेस द्वारा दिए गए ब्योरे के मुताबिक उसने इन पांच राज्यों में प्रचार अभियान पर 194 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए। भाजपा और कांग्रेस को राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता प्राप्त है। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं का चुनाव लड़ने वाले दलों के लिए एक निर्धारित समयसीमा के भीतर निर्वाचन आयोग को प्रचार अभियान में हुए खर्च का ब्योरा देना अनिवार्य है। बता दें कि यूपी, पंजाब और उत्तराखंड समेत 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे इसी 10 मार्च को आए थे। इसमें भाजपा को बड़ी सफलता मिली थी। एक तरफ भाजपा ने यूपी, उत्तराखंड, गोवा में वापसी की तो वहीं मणिपुर में भी सत्ता हासिल कर ली। पंजाब में आम आदमी पार्टी ने पहली बार सरकार बनाई है। ब्योरे के मुताबिक 5 राज्यों में सबसे अधिक रकम भाजपा की ओर से ही खर्च की गई, जबकि कांग्रेस पार्टी दूसरे नंबर पर रही है। कांग्रेस को किसी भी राज्य में जीत नहीं मिल सकी थी और पंजाब में तो वह सत्ता गंवा बैठी और महज 18 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा था।

अक्टूबर में ब्रिटेन जा सकते हैं पीएम मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने ब्रिटेन की यात्रा कर सकते हैं। इस दौरान द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता पर हस्ताक्षर होने के आसार हैं। दोनों देशों के बीच को लेकर पांच दौर की बातचीत हो चुकी है। ज्यादातर बातों पर सहमित बन गई है और बचे हुए कुछ मामलों को जल्द ही सुलझा लिया जाएगा। माना जा रहा है कि दिवाली तक सहमति अपने अंतिम चरण में होगी, जो कि 24 अक्टूबर को सेलिब्रेट की जानी है। मामले के जानकार एक अधिकारी ने बताया, 'भारत और ब्रिटेन को विश्वास है कि दिवाली से पर सहमति बन जाएगी। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की उपस्थिति में व्यापार मंत्रियों की ओर से इस पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। पीएम मोदी के ब्रिटेन दौरे की जानकारी अक्टूबर के पहले हफ्ते में सार्वजनिक की जा सकती है। यह यात्रा दिवाली के आसपास ही होने के आसार हैं। हालांकि, इसे लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। भारत में ब्रिटेन के उच्चायुक्त एलेक्स एलिस ने हाल ही में कहा था कि दिवाली का त्योहार मनाने का सबसे अच्छा तरीका एफटीए को पूरा करना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी बनने की चाह में नीतीश कुमार ने भाजपा को धोखा दिया: अमित शाह

पूर्णिया (बिहार)। (एजेंसी)।

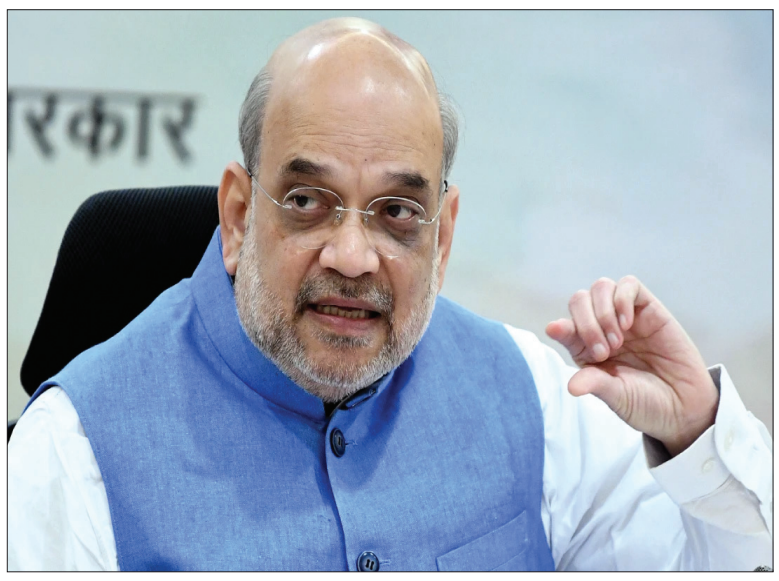

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर शुक्रवार को आरोप लगाया कि उन्होंने प्रधानमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस से हाथ मिलाकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को धोखा दिया। शाह ने दावा किया कि भाजपा राज्य में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार गठित करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुमार की कोई विचारधारा नहीं है, इसलिए उन्होंने जाति आधारित राजनीति के लिए समाजवाद को त्याग दिया।

शाह ने पूर्णिया में आयोजित पार्टी की रैली में कहा, ''नीतीश जी, आपने वर्ष 2014 में भी ऐसा ही किया था। बिहार की जनता वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में इस महागठबंधन को उखाड़ फेंकेगी। भाजपा 2025 में विधानसभा चुनाव के बाद पूर्ण बहुमत से सरकार का गठन करेगी।'' उन्होंने कहा, '' हम स्वार्थ एवं ताकत के बजाय सेवा एवं विकास की राजनीति में भरोसा करते हैं। नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री बनने की चाह में भाजपा की पीठ में छुरा घोंप दिया और अब वह राजद एवं कांग्रेस की गोद में बैठे हैं।''

शाह ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री की केवल एक विचारधारा है-- ''मेरी कुर्सी पर आंच नहीं आनी चाहिए।'' शाह बिहार के सीमांचल क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे पर हैं। वह यहां सांसदों, विधायकों और पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों के नेताओं के साथ बैठकें करेंगे। गौरतलब है कि बिहार में पिछले महीने राजनीतिक उठा-पटक के कारण भाजपा के सत्ता गंवाने के बाद शाह पहली बार राज्य के दौरे पर आए हैं।

योगी ने कहा- ग्रामीण अर्थ-व्यवस्था के मजबूत होने से देश की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ती है

अमेठी (उप्र) (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था के मजबूत होने से देश की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ती है। मुख्यमंत्री योगी पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव समिति द्वारा मथुरा में आयोजित ग्रामीण विकास प्रदर्शनी को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। आदित्यनाथ ने कहा, ''दीनदयाल उपाध्याय जी ने कहा था कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का स्तर सबसे निचले पायदान के व्यक्ति की आर्थिक स्थिति से आंका जाता है।'' उन्होंने कहा कि खेती की लागत कम करने और कृषि की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए देश में मृदा स्वास्थ्य कार्ड, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना आदि कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने किसानों द्वारा उपयोग किए जाने वाले नलकूपों के बिजली बिलों में रियायतें दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''राज्य सरकार ने पेप्सिको के साथ कोसी कलां, मथुरा में एक खाद्य प्रसंस्करण केंद्र स्थापित करने के लिए सहयोग किया है। इस खाद्य प्रसंस्करण केंद्र में लाखों क्विंटल आलू का उपयोग किया जा रहा है, जिससे किसानों को उनके आलू की अच्छी कीमत मिल रही है।

5 अक्टूबर को सुनाई देगी बाघ की दहाड़!

उद्धव गुट को हाईकोर्ट से शिवाजी पार्क में मिली रैली की इजाजत

मुंबई। (एजेंसी)।

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को 2 अक्टूबर से 6 अक्टूबर के बीच रैली करने की अनुमति दी गई है। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट ने शिवाजी पार्क में अपनी वार्षिक दशहरा रैली आयोजित करने की अनुमति के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया था। कोर्ट के आदेश के बाद शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने ट्वीट किया, 'पार्टी का एक नेता, एक शिवसेना, एक शिवतीर्थ, एक ही दशहरा सभा। 5 अक्टूबर को बाघ की दहाड़ सुनाई देगी।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने उद्धव ठाकरे की शिवसेना को दशहरा रैली आयोजित करने की अनुमति देते हुए उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि आयोजन के दौरान कानून-व्यवस्था बनी रहे। उद्धव ठाकरे की सेना द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि 1966 में, जब शिवसेना एक राजनीतिक दल के रूप में बनी थी, उस समय भी दशहरा रैली आयोजित की जा रही है। याचिका में कहा गया है कि शिवसेना ने 1966 से हर साल शिवाजी पार्क में एक रैली आयोजित की है। 1989 में, पार्टी को पंजीकृत किया गया था, और यहां तक कि जब शिवाजी पार्क एक मनोरंजक मैदान होने का मुद्दा था, जहां इस तरह के आयोजन नहीं होने चाहिए थे, बॉम्बे उच्च न्यायालय ने पार्टी को 2015 से 2019 तक रैली करने की अनुमति दी थी।

याचिका में कहा गया कि 5 अक्टूबर, 2022 को शिवाजी पार्क में अपने सामान्य दशहरा मेला / रैली को शाम 5.00 बजे से रात 10.00 बजे तक आयोजित करने के उद्देश्य से, याचिकाकर्ताओं ने 22 अगस्त और 26 अगस्त, 2022 को अनुमति देने के लिए बीएमसी को आवेदन किया था। हालांकि, इस तथ्य के बावजूद कि 20 दिन से अधिक समय बीत चुका है और निर्धारित तिथि केवल एक पखवाड़े दूर है, बीएमसी ने अभी तक उक्त अनुमति का जवाब या अनुदान नहीं दिया है। गुरुवार को सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को 2 से 6 अक्टूबर के बीच रैली करने की अनुमति दे दी। जिसके बाद शिवसेना शिवाजी पार्क में 5 अक्टूबर को दशहरा रैली का आयोजन कर सकेगी।

पाकिस्तान को दी मदद पर भारत का ऐतराज, सामने आई अमेरिका की सफाई

नई दिल्ली । अमेरिका ने पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू विमानों के बेड़े के रखरखाव के लिए 450 मिलियन डॉलर का पैकेज दिया है। इसके पहले खबरें थीं कि भारत ने पाकिस्तान के साथ अमेरिका के समझौते को लेकर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। कयास लगाए गए थे कि यूक्रेन से युद्ध में रूस का विरोध न करने का बदला लेकर अमेरिका ने यह कदम उठाया है। हालांकि अब खुद अमेरिका ने इस पर सफाई देकर कहा है कि यूक्रेन युद्ध के बदले में यह स्टैंड लेने जैसी कोई बात ही नहीं है। अमेरिका का कहना है कि यह फ़ैसला लेने से पहले भारत से इस बारे में चर्चा की थी।

अमेरिका ने पाकिस्तान के साथ एफ-16 फाइटर जेट्स के रखरखाव को लेकर हुए सौदे को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट की है। बता दें कि एफ-16 फाइटर जेट पाकिस्तान को अमेरिका ने ही दिए थे और विंग कमांडर अभिनंदन ने इसी विमान को मिग-21 पर सवार होते हुए भी मार गिराया था। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय में इंडो-पैसिफिक सुरक्षा अधिकारी के सहायक मंत्री एली रैटनर ने कहा कि इस डील का मतलब भारत को रूस के साथ बेहतर रिश्तों की वजह से नीचा दिखाना नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत को इस डील के संबंध में पहले और इसके दौरान सारी जानकारी दी गई थी। अमेरिकी सरकार का यह फैसला पाकिस्तान के साथ हमारी रक्षा साझेदारी को बढ़ाने के लिए किया गया। जो मुख्य तौर पर आतंकवाद और परमाणु सुरक्षा पर केंद्रित है।' उन्होंने कहा कि इस डील का यूक्रेन के मसले पर भारत के स्टैंड से कोई लेना-देना नहीं है। अमेरिका मंत्री ने कहा कि एफ-16 पर हुई डील का फैसला भारत के रूस के साथ उसके संबंधों या यूक्रेन संघर्ष पर उसके निष्पक्ष रहने से जुड़ा नहीं है।

भारत ने जारी की ट्रैवल एडवाइजरी, हेट क्राइम के चलते सावधान रहें कनाडा जाने वाले स्टूडेंट्स

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कनाडा में भारतीय नागरिकों और छात्रों को 'घृणा अपराधों, सांप्रदायिक हिंसा और भारत विरोधी गतिविधियों की घटनाओं में तेज वृद्धि' के मद्देनजर 'उचित सावधानी बरतने और सतर्क रहने की अपील की है। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी ट्रेवल एडवायज़री के अनुसार कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियों में 'तेजी से बढ़ोतरी' हुई है। सरकार ने कहा है कि विदेश मंत्रालय ने हेट क्राइम के मामलों को और कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियों पर कनाडा के अधिकारियों के साथ बात की है। विदेश मंत्रालय और कनाडा में हमारे उच्चायोग/वाणिज्य दूतावास ने इन घटनाओं को कनाडा के अधिकारियों के साथ उठाया है और जांच और उचित कार्रवाई का अनुरोध किया है।

एक दिन पहले भारत ने कनाडा के क्षेत्र का इस्तेमाल राजनीति से प्रेरित 'चरमपंथी तत्वों' द्वारा किए जाने को लेकर चिंता जताई थी। एक अलगाववादी समूह द्वारा हाल ही में आयोजित खालिस्तान जनमत संग्रह पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने इसे 'हास्यास्पद अभ्यास' बताया था। विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी एडवाइज़री में कहा गया है कि कनाडा में घृणा अपराध, सांप्रदायिक हिंसा और भारत विरोधी गतिविधियों की घटनाओं में तेज वृद्धि हुई है। विदेश मंत्रालय और कनाडा में हमारे उच्चायोग/वाणिज्य दूतावास ने इन घटनाओं को कनाडा के अधिकारियों के समक्ष उठाया है और उनसे उक्त अपराधों की जांच करने और उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

जब तक सपने साकार न हो जाएं, आराम मत करो, निश्चित मिलेगी सफलता

-केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने युवाओं को दिया मंत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)।

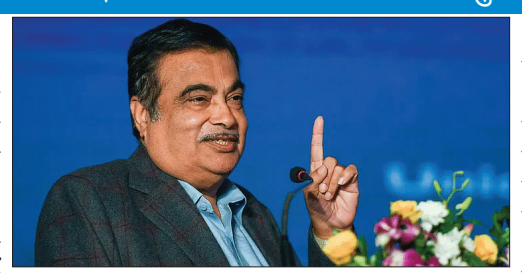

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने युवाओं को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि जब तक आपके सपने साकार नहीं हो जाएं, तब तक आराम मत कीजिए। विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के लिए विगनेन फाउंडेशन के 10वें दीक्षांत समारोह में पहुंचे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि तब तक आराम करने की मत सोचिए, जबतक कि आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर लेते। उन्होंने कहा युवाओं को यह ध्यान रखना चाहिए कि सीखना एक सतत प्रक्रिया है और यह यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट होने के तुरंत बाद समाप्त नहीं होती है।

विगनेन फाउंडेशन के 10वें दीक्षांत समारोह में हिस्सा लेने वाले छात्रों को संबोधित करते हुए केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने विगनेन के राष्ट्रीय रैंकिंग के मामले में शीर्ष 100 क्लबों में शामिल होने पर प्रसन्नता जताई और छात्रों को आत्मसंतुष्ट न होने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि उन्हें भविष्य के गौरव के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा छात्रों को अनुशासन, नवीन सोच और सरल जीवन को अपनाना चाहिए ताकि वे अपने जीवन में और ऊंचाइयों को छू सकें। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए गर्व का पल है क्योंकि मल्टी नेशनल कंपनियों के कई सीईओ भारतीय हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों को वैश्विक नेता (ग्लोबल लीडर) बनने की इच्छा रखनी चाहिए और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

नितिन गडकरी ने छात्रों को प्रधानमंत्री के उस सपने की भी याद दिलाई, जिसमें पीएम नरेंद्र मोदी का सपना है कि भारत 05 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। नितिन गडकरी ने छात्रों से कहा कि यह मुश्किल हो सकता है, लेकिन असंभव नहीं है। उन्होंने कहा कि ज्ञान को धन में बदलने में ही भविष्य निहित है। उन्होंने कहा कि दूरदृष्टि के साथ अच्छा नेतृत्व समय की मांग है। उन्होंने कहा कि वर्षा जल संरक्षण से देश में पानी की कई समस्याओं का समाधान होगा।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में कानून की उड़ी धज्जियां, हाईकोर्ट ने पूछा सरकार ने क्यों बंद कर ली आंखें

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)।

केरल में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में लोगों का भारी हुजूम नजर आ रहा है। कांग्रेस ने इस अभियान के कई वीडियो जारी किए हैं, जिसमें हजारों लोग पैदल चलते नजर आ रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा से आम लोगों को तो परेशानी का सामना करना ही पड़ रहा है, इस दौरान नियम-कानूनों की भी धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

केरल हाईकोर्ट ने भी राहुल गांधी की भारत जोडो यात्रा को लेकर आपत्ति जताई है। केरल में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा जिन रास्तों से गुजर रही हैं, वहां का नजारा बदला-बदला है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर बड़े-बड़े झंडे, पोस्टर और बैनर नजर आ रहे हैं। यात्रा के दौरान ट्रैफिक भी बाधित हो रहा है। इसके बावजूद राज्य सरकार कोई कदम नहीं उठा रही है। ऐसे में यह मामला कोर्ट तक पहुंच गया है। केरल हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया और कई गंभीर सवाल उठाए, जिनका जवाब प्रशासनिक अधिकारियों के पास शायद नहीं था।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के मामले में सुनवाई करते हुए केरल हाईकोर्ट ने सड़क सुरक्षा को लेकर कहा है कि इस पर पुलिस और अन्य अधिकारियों ने आंखें बंद कर रखी हैं। मामले पर जस्टिस देवन रामचंद्रन की एकल बेंच ने सुनवाई की। कोर्ट ने कहा त्रिवेंद्रम से त्रिसूर और इससे आगे तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक खास राजनीतिक दल की तरफ से चीजे अवैध रूप से स्थापित की गई हैं। पुलिस और अन्य अधिकारियों को इसके बारे में पता है, लेकिन उन्होंने आंख बंद रखने का फैसला लिया है। कोर्ट को जानकारी दी गई है कि एक दल विशेष ने केरल में रैली के दौरान अवैध रूप से बड़ी संख्या में बोर्ड, बैनर, झंडे और अन्य चीजें लगाई हैं।

कोर्ट ने कहा कि हाईवे पर लगाए गए झंडे और पोस्टर बड़ी परेशानी और हादसों का सबब बन सकते हैं। हाईवे पर वाहन तेज गति से चलते हैं। ऐसे में अगर बड़े-बड़े झंडे और पोस?टर लोगों को ध्यान खींचेंगे, जिससे दुर्घटना की संभावना काफी बढ़ जाएगी। अगर कुछ पोस्टर तेज हवा के कारण खुलकर सड़क पर आ जाते हैं, तो बड़ा हादसा हो सकता है। खासतौर पर दोपहिया वाहनों के लिए ये बेहद खतरनाक स्थिति है।

गौरतलब है कि वायनाड सांसद राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है। पदयात्रा कन्याकुमारी से लेकर जम्मू-कश्मीर तक का रास्ता तय करेंगी। शुक्रवार को कांग्रेस की यात्रा का 16वां दिन पूरा हुआ।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में अनुपम केमिकल्स में आग लगने के बाद कंपनी बंद, 1 करोड़ रुपये का जुर्माना,

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

10 सितंबर को सूरत के सचिन जीआईडीजी स्थित अनुपम केमिकल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में आग लग गई। इस आग में 5 लोगों की मौत हो गई। निर्दोष लोगों की जान लेने वाली आग के बाद कंपनी को बंद कर दिया गया है और पर्यावरणीय क्षति के लिए 1 करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही डीजीवीसीएल ने बिजली आपूर्ति बंद कर दी है।

जीपीसीबी के अधिकारी जिजनाबे ने पर्यावरण को हुए नुकसान की वजह से बताया कि अनुपम केमिकल के आग से पर्यावरण को हुए नुकसान की वजह से नियमानुसार 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है. जीपीसीबी मानकों के अनुसार पर्यावरणीय क्षति के कारण वैधानिक सर्वेक्षण के बाद जुर्माना लगाया गया था। पानी, बिजली कटौती दक्षिण गुजरात पावर कंपनी द्वारा 19 सितंबर को बिजली आपूर्ति में कटौती की गई थी। जबकि सचिन जीआईडीसी द्वारा 17 सितंबर से जलापूर्ति बंद कर दी गई है

बिजली आपूर्ति में कटौती, पांच की मौत

मृतकों के नाम

- अंकुर सुरेश भाई पटेल- 33 वर्ष
- प्रभात धर्मेंद्र झा- 23 साल
- राकेश चौधरी- 37 वर्ष
- संजय गोविंद सोरा- 28 साल
- जयराज सिंह ठाकुर

अनुपम केमिकल कंपनी, सूरत में सचिन जीआईडीसी में आग लग गई, जिसमें कई रासायनिक निर्माण कंपनियां काम कर रही हैं।

अनुपम केमिकल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। जिस समय आग लगी उस समय कर्मचारी कंपनी में काम कर रहे थे। आग काफी हद तक फैल चुकी थी। दमकल विभाग की सूचना के बाद दमकल की 30 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंचीं. काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

20 व्यक्ति घायल हुए अनुपम केमिकल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने बताया कि 10 सितंबर 2022 को सचिन जीआईडीसी स्थित हमारे प्लांट में आग लगने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई। कंपनी की यूनिट-6 के एक मैन्युफैक्चरिंग ब्लॉक में आग लग गई। हमारी फायर रिस्पांस टीम और स्थानीय फायर ब्रिगेड ने एक घंटे के भीतर आग पर काबू पा लिया। एक विशेष टीम आग की घटना के कारणों की जांच कर रही है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 5 लोगों की मौत हो गई और 20 लोग घायल हो गए।

अनुपम रसायन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के कारण आग तेजी से फैली। कंपनी में बड़ी मात्रा में रसायनों के कारण आग बहुत तेजी से फैली । ज्वलनशील रसायनों के इस्तेमाल के कारण आग पर भी काबू पाना मुश्किल था।

फैक्ट्री में केमिकल के ड्रम भरे होने के कारण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। ढोल पीटने से भय का माहौल बना हुआ था।

प्रधानमंत्री की जनसभा की तैयारी में जुटी नगर पालिका, सूरत प्रभारी की अध्यक्षता में हुई बैठक

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 सितंबर को लिंबायत के नीलगिरि मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे. वह प्रधानमंत्री मोदी की सूरत यात्रा के बाद मौजूद थे। इस कार्यक्रम को लेकर आज सूरत जिले के प्रभारी सचिव थेनारसन की ओर से एक उच्च स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया. जिसमें सूरत नगर निगम के आयुक्त बंचानिधि पाणि और कलेक्टर आयुष ओक के साथ गांधीनगर से विशेष ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों के बीच समन्वय बैठक हुई.

चार दिनों से उच्चाधिकारी लगातार लिंबायत नीलगिरि का दौरा कर रहे हैं, जहां बैठक होनी है और आवश्यक निर्देश दे रहे हैं. इस जगह के आसपास के क्षेत्र की सफाई के साथ-साथ गुंबद का निर्माण भी जोरों पर चल रहा है। आज सूरत के प्रभारी सचिव ने एक बैठक की जिसमें थेनारसन ने अधिकारियों का मार्गदर्शन भी किया, साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के दौरान होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम की रूपरेखा की विस्तृत समीक्षा भी की.

सूरत शहर में मनपा की सीलिंग प्रकिया को बनाया मजाक, सील तोड़कर किया मनपा को चेलेंज

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत, सूरत मनपा कुछ दिन पहले अवेध रूप से चल रहे वेपार पर शिंकजा कसने के लिए वेपार कर रहे संस्था, दुकान को सील किया जिसके बाद म्यूनि. एक्ट की धारा के अंतर्गत कार्यवाही होने के बाद भी अगर सील तोड़ दिया गए हो तो नियमानुसार पुलिस फरियाद उस अधिकारी को करने होता है लेकिन इस तरह की कोई फरियाद अगर विभाग के द्वारा नही किया जा रहा तो उस विभाग का अधिकारी खुद जवाबदार होगा.

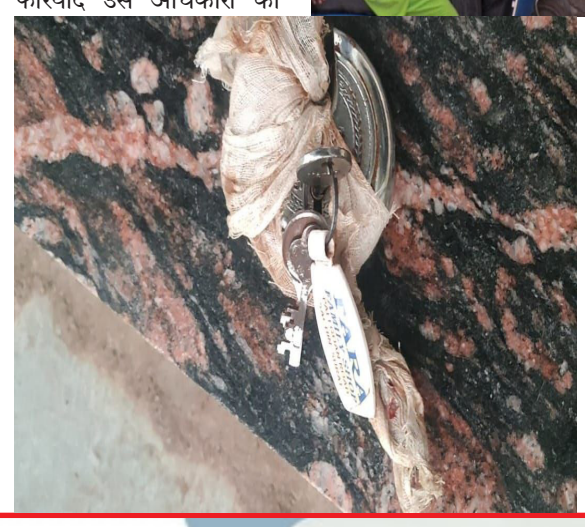

अधिकारी के सामने भी सुसंगत धारा के तहत फरियाद किया जा सकता है,की अपने कर्मचारी की भूल छुपाने के लिए अधिकारी ने अपने कर्तव्य के साथ लापरवाही किया.

सचिन के हिन्दू युवा संघठन द्वारा गरीब लोगों के लिए एक अनोखा पहल

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत जिला में अलग अलग विस्तारों में रहने वाले गरीब लोगों के लिए पुराने कपड़ों को हिंदू युवा संगठन द्वारा एकत्रित करने के लिए सूरत शहर में अलग अलग जगह पर कैंप लगा कर इकट्ठा करने का शिविर आयोजित किया गया है। जिसमे आज कपलेटा गांव के सरपंच द्वारा करीब 350 जोड़ी नए जूते और 50 जोड़ी नए कपड़े जरूरतमंद लोगों के लिए उक्त संस्था को दान किया।

सचिन में पिछले दो साल से हिंदू युवा संगठन भारत द्वारा सचिन क्षेत्र में दिपावली से पहले पुराने कपड़े इकट्ठा करने के लिए एक स्टॉल लगाया जाता है और इस स्टॉल में लोगों द्वारा दान किए गए पुराने कपड़े डांग जिला के आसपास और सापुतारा के आसपास में रहने वाले जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया जाता है। इस दौरान आज कपलेटा गांव के सरपंच सूफियान ने 350 जोड़ी नए जूते और 50 जोड़ी नए कपड़े गरीब और जरूरतमंद लोगों को दान किए और हिंदू मुस्लिम भाईचारे की मिसाल कायम की। कपलेटा के सरपंच ने प्रतिनिधि को विशेष में बताया की हिंदू युवा संगठन भारत द्वारा जब तक यह शिविर आयोजित करते रहेंगे में हर साल गरीबों के लिए कपड़े और जूते देता रहूंगा।